दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 84 ■ दमण, मंगलवार 16 दिसंबर 2025 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

दमण प्रशासन की अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति: ड्रग्स के आरोपी के फार्म हाउस पर चला बुलडोजर

■ 2 अक्टूबर 2025 को गुजरात एटीएस, दमण क्राइम ब्रांच और वलसाड एसओजी ने संयुक्त रुप से दमण के बामणपूजा के पास फार्म हाउस में छापेमारी कर मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स और इसके निर्माण में प्रयोग किये जाने वाले लगभग 300 किलो कच्चा माल किया था जप्त ■ दमण प्रशासन ने इस मामले के उजागर होने के बाद फार्म हाउस की जांच की थी शुरू: फार्म हाउस का निर्माण अनधिकृत पाया गया था ■ दमण प्रशासन के पीडीए विभाग ने सभी कानूनी प्रक्रिया पूरी कर पूरे अवैध ढांचे को गिरा दिया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 15 दिसंबर।

दमण प्रशासन की अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति फिर एक बार देखने को मिली है। दमण प्रशासन ने ड्रग्स के आरोपी मेहुल ठाकुर परिवार के फार्म हाउस पर बुलडोजर चलाकर इसे जमींदोज कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इसी साल 2 अक्टूबर को गुजरात एटीएस, दमण क्राइम ब्रांच और वलसाड एसओजी ने दमण के बामणपूजा के पास स्थित ठाकुर परिवार के फार्म हाउस पर छापेमारी की थी। इस छापेमारी में मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स और इसके निर्माण में प्रयोग किये जाने वाले लगभग 300 किलो कच्चा माल जप्त किया था। इस मामले में एटीएस ने 2 लोगों को गिरफ्तार किया था और मेहुल ठाकुर परिवार के फार्म हाउस को सील भी कर दिया था। यह मामला उजागर होने के बाद दमण प्रशासन ने पीडीए दमण के माध्यम से उक्त फार्म हाउस की स्वतंत्र जांच शुरू कर दी थी।

जांच में यह पाया गया कि फार्महाउस एक अनधिकृत निर्माण था, जिसका निर्माण सक्षम प्राधिकारी से कोई अनुमोदन प्राप्त किए बिना किया गया था, जो दमण जिले के लिए सामान्य विकास नियम 2023 का उल्लंघन था। तदनुसार, पीडीए दमण ने 06/10/2025 को एक नोटिस जारी किया, जिसमें मालिक/कब्जा करने वाले को 30 दिनों के भीतर अनधिकृत संरचना को हटाने का निर्देश दिया गया। चूंकि अपराधी नोटिस के तहत जारी निर्देशों का पालन करने में विफल रहा, इसलिए बाद में सक्षम प्राधिकारी द्वारा एक विध्वंस आदेश पारित किया गया। उक्त आदेश के अनुसरण में योजना और विकास प्राधिकरण (पीडीए) दमण ने उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए मामलतदार / कार्यकारी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में अनधिकृत फार्म हाउस को ध्वस्त कर दिया।

गौरतलब है कि प्रशासक के रुप में पदभार संभालने के साथ प्रफुल पटेल ने अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति लागू करवाई थी। पिछले 9 सालों में कई बार देखा गया है कि प्रशासन ने अपराध से जुडे लोगों पर ऐसी ठोस कार्यवाही कर उनकी कमर तोड दी है।

सांसद उमेश पटेल ने लोकसभा में पहली बार संघ प्रदेश के विकास प्रोजेक्टों की खुलकर तारीफ की: पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह की सराहना की

■ लोकसभा में सप्लीमेंट्री डिमांड्स फॉर ग्रांट्स पर चर्चा के दौरान सांसद उमेश पटेल ने स्मार्ट सिटी मिशन, नमो मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, बर्ड एवियरी, नमो पथ, राम सेतु, दीव में क्रिक ड्रेजिंग सहित के महत्वपूर्ण सौगातें केन्द्र सरकार से हमें मिली है: सांसद उमेश पटेल ■ दमण-दीव के कुछ प्रोजेक्ट अभी अधूरे हैं, केन्द्र सरकार वर्तमान सप्लीमेंट्री डिमांड्स फॉर ग्रांट्स में इसे शामिल कर पर्याप्त अतिरिक्त राशि तत्काल जारी करें: सांसद उमेश पटेल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 15 दिसंबर। दमण-दीव के सांसद उमेश पटेल ने लोकसभा में पहली बार संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के विकास प्रोजेक्टों की खुलकर तारीफ की। सांसद उमेश पटेल ने लोकसभा में सप्लीमेंट्री डिमांड्स फॉर ग्रांट्स पर चर्चा के दौरान दमण-दीव के निर्दलीय सांसद उमेश पटेल ने केंद्र शासित प्रदेश की विकास परियोजनाओं एवं जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। सांसद ने अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह की दूरदर्शिता की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की विशेष कृपा से दीव को स्मार्ट सिटी मिशन, नमो मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, बर्ड एवियरी, नमो पथ, राम सेतु तथा वणाकबारा (दीव) में क्रिक ड्रेजिंग जैसी महत्वपूर्ण सौगातें मिली हैं। उन्होंने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि इन घोषित परियोजनाओं में से कई अभी तक शुरू नहीं हो पाई हैं। विशेष रूप से वणाकबारा क्रिक एवं दीव पोर्ट की ड्रेजिंग कार्य फंड की कमी से रुके हुए हैं। दीव स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट अधूरा है। कोस्टल विलेज डेवलपमेंट प्रोजेक्ट अभी शुरू नहीं हुआ। फिशिंग हार्बर प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलने के बावजूद कार्य आरंभ नहीं हो सका। उमेश पटेल ने जोर देकर कहा कि दीव की 90% से अधिक आबादी मत्स्य पालन पर निर्भर है। क्रिक में ड्रेजिंग न होने से मछुआरों को जहाजों के आवागमन में भारी समस्याएं आ रही हैं, जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं और उनकी दैनिक आय प्रभावित हो रही है। सांसद उमेश पटेल ने केंद्र सरकार से कई मांगें पटल पर रखीं। जिसमें वर्तमान सप्लीमेंट्री डिमांड्स फॉर ग्रांट्स में दीव फिशिंग हार्बर, वणाकबारा क्रिक एवं दीव पोर्ट ड्रेजिंग तथा दीव स्मार्ट सिटी के शेष कार्यों के लिए पर्याप्त अतिरिक्त राशि तत्काल जारी की जाए, कोस्टल विलेज डेवलपमेंट सहित सभी स्वीकृत परियोजनाओं के लिए विशेष फंड प्रावधान शामिल हैं। परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग के लिए उच्च स्तरीय मॉनिटरिंग सेल का गठन, छोटे केंद्र शासित प्रदेशों के लिए फास्ट-ट्रैक इंफ्रास्ट्रक्चर फंड की स्थापना, जिसकी तिमाही समीक्षा प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री कार्यालय स्तर पर हो। इसके अतिरिक्त उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश की सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज सुनिश्चित करने तथा मेडिकल कॉलेज की पीजी सीटों की फीस में हुई भारी बढ़ोत्तरी को वापस लेने या छात्रों को स्कॉलरशिप प्रदान करने की मांग की। अंत में सांसद उमेश पटेल ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व वाली सरकार इन वाजिब मांगों पर ध्यान देगी, ताकि छोटा प्रदेश विकास की मुख्यधारा में कदम मिलाकर चल सके।

दमण जिला पंचायत की उपप्रमुख रीना पटेल ने आज विधिवत संभाला पदभार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 15 दिसंबर। दमण जिला पंचायत की नवनिर्वाचित उपप्रमुख रीना हरीश पटेल ने आज विधिवत पदभार संभाला। दमण जिला पंचायत उपप्रमुख के कार्यालय में विधिविधान से पूजा-अर्चना कर रीना पटेल ने अपनी नई जिम्मेदारी संभाली। इस अवसर पर संघ प्रदेश श्रीडी प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया, प्रदेश महामंत्री जिग्नेश पटेल, प्रदेश भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष हरीश पटेल, जिला पंचायत के सदस्यों, सरपंचों तथा अनेक अग्रणियों ने जिला पंचायत की उपप्रमुख रीना पटेल को पदभार संभालने के लिए हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाईयां दी।

विदेश यात्रा पर लंदन गए राहुल गांधी.... वहां से जर्मनी जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार सुबह करीब 3:20 बजे नई दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे से लंदन के लिए रवाना हुए। वे बाद में जर्मनी जाएंगे, जहां 17 दिसंबर को बर्लिन में सांसदों और भारतीय प्रवासी समुदाय से उनकी मुलाकात होनी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी के दौरे पर रहने वाले है। वहां वे जर्मन सरकार के अफसरों और भारतीय समुदाय से मुलाकात करने वाले है। राहुल गांधी का पिछले 6 महीनों में यह 5वां विदेश दौरा है। इससे पहले जुलाई से लेकर सितंबर के बीच वे लंदन, मलेशिया, ब्राजील, कोलंबिया की यात्रा पर गए थे। राहुल गांधी 17 दिसंबर को बर्लिन में होने वाले इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के कार्यक्रम में शामिल होने वाले है। यहां वे यूरोप के विभिन्न देशों से आए आईओसी के नेताओं से मुलाकात करने वाले है। आईओसी ने इस दौरे को पार्टी के वैश्विक संवाद को मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल बताया है। इस दौरान यूरोप में आईओसी के लोकल ब्रांच के सभी प्रमुख एनआरआई मुद्दों, कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को विस्तार देने की रणनीतियों पर चर्चा करेगी।

पराली जलाते समय बुजुर्ग किसान की झुलसकर मौत

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी जिले में धान की पराली जलाते समय 60 वर्षीय किसान की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान गजेंद्र स्वैन के रूप में हुई, जो सुनामुहीन गांव का निवासी था। पुलिस ने बताया कि उसका जला हुआ शव खेत से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चला है कि आग पास के एक खेत में फैल गई, जहां से धान की कटाई अभी बाकी थी। पुलिस ने बताया कि स्वैन (जो अकेला था) ने आग को काबू करने की कोशिश की, लेकिन वह खुद आग की चपेट में आ गया। अधिकारी ने कहा, ‘उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव लगभग 90 प्रतिशत जल गया था।

पूर्वी दिल्ली के मंदिर में महिला की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के मानसरोवर पार्क इलाके में एक मंदिर के अंदर हुई 48 वर्षीय महिला की हत्या से सनसनी मच गई है। मानसरोवर पार्क इलाके में डीडीए फ्लैट परिसर में स्थित एक मंदिर के अंदर, रविवार को दोपहर करीब 12 बजे हुई। पीड़िता कुसुम शर्मा (48), मानसरोवर पार्क निवासी। महिला मंदिर में पूजा कर रही थी, तभी उस पर चाकू से हमला किया गया। पीड़िता के सिर और शरीर के ऊपरी हिस्से पर चाकू के कई घाव थे। उन्हें गुरु तेग बहादुर अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना के बाद दिन में ही मुख्य आरोपी आंचल सक्सेना नामक महिला को गिरफ्तार कर लिया। अपराध में इस्तेमाल किया गया हथियार भी बरामद कर लिया गया है। शुरुआती सूचना में बताया गया था कि दो लोगों ने महिला पुजारी पर हमला किया था। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि हिरासत में ली गई महिला सहित दो लोगों ने शर्मा पर बार-बार चाकू से हमला किया। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह पुरानी दुश्मनी का मामला प्रतीत होता है। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रशांत गौतम ने बताया कि मामले की जांच के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। पुलिस हमलावरों की गतिविधियों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर की करानी पड़ी आपात लैंडिंग

आगरा (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का हेलीकॉप्टर सोमवार को मौसम खराब होने के कारण आगरा के खेरिया हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) प्रशांत तिवारी ने बताया कि मुख्यमंत्री शर्मा हेलीकॉप्टर से राजस्थान के भरतपुर जा रहे थे, लेकिन खराब मौसम के कारण पायलट को हेलीकॉप्टर को आगरा की ओर मोड़ना पड़ा। हेलीकॉप्टर ने जयपुर से उड़ान भरी थी। अधिकारियों के अनुसार, हेलीकॉप्टर दोपहर करीब साढ़े 12 बजे खेरिया हवाई अड्डे पर उतरा, जहां मुख्यमंत्री को लगभग एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा। तिवारी ने बताया कि मौसम में सुधार होने के बाद हेलीकॉप्टर ने भरतपुर के लिए यात्रा फिर से शुरू की। राजस्थान के भरतपुर और उत्तर प्रदेश के आगरा के बीच करीब 60 किलोमीटर की दूरी है और दोनों की सीमाएं आपस में सटी हुई हैं।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में घने कोहरे के कारण 61 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में घने कोहरे की चादर छाने के कारण कम दृश्यता के चलते 61 उड़ानें रद्द हुई , जबकि 400 से अधिक उड़ानें विलंबित हुईं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में सुबह 7:05 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 454 था, जो गंभीर श्रेणी में आता है। घने कोहरे के कारण दिल्ली जाने वाली करीब पांच उड़ानों का मार्ग बदला गया है। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी का अंतिम चरण के लिए दिल्ली आगमन विलंबित हो गया है, क्योंकि घने कोहरे के कारण मुंबई से उनकी उड़ान स्थगित कर दी गई थी। इससे पहले, दिल्ली हवाई अड्डे ने सोमवार, 15 दिसंबर की सुबह यात्रियों के लिए यात्रा संबंधी सलाह जारी की थी, जिसमें उड़ान संचालन में व्यवधान की चेतावनी दी गई थी। ताजा अपडेट के लिए, यात्रियों को अपनी संबंधित एयरलाइन से संपर्क करने की सलाह दी जाती है। असुविधा के लिए हमें खेद है। एयरलाइन ने पोस्ट में कहा कि दिल्ली में कम दृश्यता और कोहरे के कारण उड़ानों के समय पर असर पड़ेगा। हम मौसम पर कड़ी नज़र रख रहे हैं और आपको सुरक्षित और सुगम तरीके से आपके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

6.26 करोड़ मूल्य की 15 मीट्रिक टन लाल चंदन की लकड़ी जब्त, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने 6.26 करोड़ रुपए मूल्य की 15 मीट्रिक टन लाल चंदन की लकड़ी जब्त की है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक आरोपियों की योजना लाल चंदन का अवैध रूप से निर्यात करने की थी। मंत्रालय ने बताया कि लाल चंदन की लकड़ियां विभिन्न गोदामों से जब्त की गईं और इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार भी किया है। विदेशी व्यापार नीति के तहत लाल चंदन के निर्यात पर बैन लगा है।

प्रियंका गांधी और प्रशांत किशोर की मुलाकात से राजनीतिक गलियारे में हलचल

– प्रशांत किशोर के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों को फिर से मिली हवा

पटना (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर द्वारा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की खबर के बाद बिहार के राजनीतिक गलियारे में हलचल मची है। दरअसल सियासी गलियारों में यह मुलाकात प्रशांत किशोर के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों को फिर से हवा दे रही है। मालूम हो कि बिहार विधानसभा चुनाव में जन सुराज पार्टी के असफल प्रदर्शन के बाद चुनावी रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर (पीके) की रणनीति पर काफी सवाल उठे। चुनावों के तुरंत बाद पीके ने इस करारी हार की जिम्मेदारी ली और फिर से कोशिश में जुटने का वादा किया था। इसके बाद से उन्होंने मीडिया से दूरी बना ली। लेकिन एक बार फिर से वे सुर्खियों में आ गए हैं। पीके ने कल कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की। दिल्ली में हुई इस बैठक ने सियासी गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। ख़ास बात ये है कि दिल्ली में हुई यह मुलाकात तीन साल के गहरे राजनीतिक दूरी के बाद हुई है, जब प्रशांत किशोर और कांग्रेस के बीच पुराना संवाद रुका हुआ था। अब इस मुलाकात के बाद सवाल उठाया जा रहा है कि क्या प्रशांत किशोर कांग्रेस में शामिल होकर एक बड़ा राजनीतिक कदम उठाना चाहते हैं या यह सिर्फ सियासी बातचीत का हिस्सा है। हालांकि इस बैठक का समय और तरीका दोनों ही चर्चा का विषय बने हुए हैं। बताया जा रहा है कि यह मुलाकात करीब दो घंटे तक चली, जिसमें दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक हालात और भविष्य की संभावनाओं पर बातचीत हुई। इस मुलाकात के बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि क्या प्रशांत किशोर कांग्रेस में शामिल होंगे? क्या वे कांग्रेस के साथ किसी तरह का राजनीतिक तालमेल या गठबंधन कर सकते हैं? खासकर तब, जब हालिया बिहार विधानसभा चुनाव में जनसुराज का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और पार्टी खाता तक नहीं खोल पाई। वहीं कांग्रेस की स्थिति भी बेहद कमजोर रही और पार्टी सिर्फ 6 सीटों पर सिमट गई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी नतीजों के बाद दोनों ही पक्ष नए सिरे से रणनीति तलाश रहे हैं। ऐसे में पीके और प्रियंका गांधी की यह मुलाकात महज शिष्टाचार नहीं, बल्कि भविष्य की किसी बड़ी राजनीतिक योजना का संकेत भी हो सकती है। वैसे यह पहली बार नहीं है जब प्रशांत किशोर और कांग्रेस को लेकर अटकलें तेज हुई हों। दरअसल, प्रशांत किशोर और कांग्रेस के बीच संबंध इस बैठक से ही शुरू नहीं हुए हैं। लगभग 4 साल पहले कांग्रेस ने उन्हें पार्टी में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था। उस समय प्रशांत किशोर ने खुद खुलासा किया था कि सोनिया गांधी ने उन्हें पार्टी के लिए एक प्रेजेंटेशन देने के लिए बुलाया था। उन्होंने बताया था कि करीब 9 घंटे तक उन्होंने अपना विजन और रणनीति पेश की थी, जिसमें राहुल गांधी भी मौजूद थे और अधिकांश सुझावों से सहमत थे। हालांकि पीके ने कांग्रेस में शामिल न होने की वजह भी स्पष्ट की थी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस नेतृत्व उनके प्लान को जमीन पर उतारने के लिए तैयार नहीं था, इसलिए उन्होंने सोनिया गांधी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। पीके का यह भी कहना था कि उनके पास कोई राजनीतिक विरासत नहीं है, इसलिए वे किसी एक व्यक्ति या विचारधारा से बंधकर राजनीति नहीं करना चाहते। अब एक बार फिर पीके और प्रियंका गांधी की मुलाकात ने पुराने सवालों को जिंदा कर दिया है। क्या यह

बातचीत सिर्फ विचार-विमर्श तक सीमित थी या आने वाले दिनों में बिहार की राजनीति में कोई नया समीकरण देखने को मिलेगा, इस पर सभी की नजर टिकी हुई है। प्रशांत किशोर की बात करें तो उनका राजनीतिक सफर अक्सर बदलावों और नई दिशाओं को अपनाने वाला रहा है- जिसका श्रेय उन्हें रणनीतिक सोच और जन संपर्क क्षमता के रूप में दिया जाता है। प्रशांत किशोर भारतीय राजनीति में एक जाने-माने चुनावी रणनीतिकार हैं, जिन्होंने कई राजनीतिक दलों के लिए चुनावी रणनीति तैयार की है।

जमीन के बदले नौकरी मामले में लालू परिवार की सुनवाई फिर टली

–अब अगली सुनवाई में सीबीआई दाखिल करेगी वेरिफिकेशन रिपोर्ट

नई दिल्ली। जमीन के बदले नौकरी से जुड़े बहुचर्चित मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, पूर्व सीएम राबड़ी देवी, मीसा भारती, हेमा यादव, तेज प्रताप यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया फिर टल गई। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई की 19 दिसंबर तय की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबक सोमवार को हुई सुनवाई में सीबीआई ने कोर्ट से अतिरिक्त समय की मांग की। सीबीआई ने कहा कि वह 19 दिसंबर तक सभी आरोपियों से जुड़ी विस्तृत वेरिफिकेशन रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल कर देगी। पिछली सुनवाई में भी कोर्ट ने एजेंसी को यही रिपोर्ट जमा करने के निर्देश दिए थे, लेकिन अब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। इस मामले में सीबीआई ने लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी समेत कुल 103 लोगों को आरोपी बनाया है। हालांकि, एजेंसी ने अदालत को बताया कि इनमें से चार आरोपियों की मौत हो चुकी है। इसी वजह से कोर्ट यह स्पष्ट करना चाहती है कि कौन-कौन आरोपी जीवित हैं और किनके खिलाफ आगे कानूनी कार्रवाई संभव है। इससे पहले 11 दिसंबर को राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरोप तय करने की सुनवाई को 15 दिसंबर तक टाल दी थी। उस समय कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया था कि वह सभी आरोपियों की वर्तमान स्थिति से संबंधित विस्तृत वेरिफिकेशन रिपोर्ट पेश करे। वहीं 8 दिसंबर को कोर्ट ने सीबीआई को दो दिन का अतिरिक्त समय भी दिया था, ताकि एजेंसी यह साफ कर सके कि किन आरोपियों का निधन हो चुका है और किनके खिलाफ मामला आगे बढ़ाया जा सकता है। सीबीआई ने दाखिल चार्जशीट में गंभीर आरोप लगाए हैं। एजेंसी का कहना है कि इस मामले में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। रेलवे में नौकरी दिलाने के बदले उम्मीदवारों और उनके परिजनों से जमीन ली गई। चार्जशीट में यह भी कहा गया है कि जमीन की खरीद से जुड़े ज्यादातर लेन-देन नकद में हुए जबकि कुछ मामलों में केवल सेल डीड ही मौजूद हैं। सीबीआई ने इस मामले में आरोप तय करने की मांग की है।

नितिन नबीन की नियुक्ति पर कांग्रेस का तंज... रिमोट कंट्रोल शाह के हाथ में रहेगा

नई दिली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने पर तंज कस कंस दिया हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने आरोप लगाया है कि यह नियुक्ति केवल सांकेतिक है, और पार्टी की असली बागडोर (रिमोट कंट्रोल) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हाथों में ही रहेगी। कार्यकारी अध्यक्ष का पदनाम भाजपा का एक सांकेतिक शब्द है। इसका अर्थ है कि गैर-कार्यकारी केंद्रीय गृह मंत्री भाजपा अध्यक्ष को नियंत्रित करते हैं। यह नियुक्ति बिना चुनाव के की गई है। कांग्रेस नेता खेड़ा ने आरोप लगाया कि पहले भी ऐसा ही होता आया है, जब नड्डा (पूर्व अध्यक्ष) घूमते-फिरते थे, लेकिन प्रमुख निर्णय अमित शाह लेते थे, और अब भी ऐसा ही होगा। बिहार के पांच बार के विधायक नितिन नबीन ने सोमवार को दिल्ली पहुंचकर भाजपा मुख्यालय में अपने आधिकारिक दायित्वों का कार्यभार संभाला। उन्होंने अपनी राष्ट्रीय भूमिका

का श्रेय बिहार और अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के आशीर्वाद को दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन को स्वीकार किया। दिल्ली रवाना होने से पहले, नबीन ने पटना के महावीर मंदिर का दौरा किया और अपने पिता, दिवंगत वरिष्ठ भाजपा नेता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। नबीन ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने हमेशा कार्यकर्ताओं को सीखने, काम करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है।

कैश कांड मामला: जस्टिस यशवंत वर्मा को जवाब के लिए 6 हफ्ते का दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में अपने खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव के बाद जस्टिस यशवंत वर्मा ने आरोपों पर जवाब देने के लिए अतिरिक्त समय मांगा है। कैश कांड की जांच के लिए गठित संसदीय समिति ने उन्हें 6 सप्ताह का और समय देने का फैसला किया है। हालांकि समिति ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि इसके बाद किसी भी तरह का समय विस्तार नहीं दिया जाएगा। माना जा रहा है कि जनवरी 2026 के अंतिम सप्ताह में इस मामले में आगे की कार्यवाही शुरू हो सकती है।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने 12 अगस्त को इस जांच समिति का गठन किया था। जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने के समर्थन में लाए गए प्रस्ताव पर 146 सांसदों के हस्ताक्षर थे। इसके समानांतर तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की ओर से भी एक अलग समिति गठित की गई थी। दोनों ही समितियों ने जस्टिस वर्मा के उस दावे को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें बदनाम करने के इरादे से नकदी रखी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अरविंद कुमार की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय समिति इस पूरे मामले की जांच कर रही है। समिति ने जस्टिस वर्मा से उन पर लगे आरोपों को लेकर लिखित जवाब मांगा था। 5 दिसंबर को हुई कार्यवाही के दौरान जस्टिस वर्मा ने समिति से 8 सप्ताह का अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया था, लेकिन समिति ने विचार-विमर्श के बाद उन्हें केवल 6 सप्ताह का अंतिम अवसर देने का निर्णय लिया।

जांच समिति ने आरोपों के समर्थन में सबूतों के साथ मेमो ऑफ चार्जेस भी दाखिल किया है। इसमें दिल्ली पुलिस और अग्निशमन विभाग द्वारा 14 और 15 मार्च की रात आग बुझाने के दौरान बनाए गए वीडियो, प्रत्यक्षदर्शी गवाहों के बयान और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। इन सबूतों के आधार पर समिति ने आरोपों को गंभीर माना है। लोकसभा स्पीकर द्वारा गठित समिति की कार्यवाही के दौरान जस्टिस वर्मा को अपना पक्ष रखने, आरोपों पर सफाई देने और अपने पक्ष में गवाह पेश करने का पूरा अवसर दिया जाएगा। हालांकि सदन की समिति पहले ही जस्टिस वर्मा की इस दलील को अस्वीकार कर चुकी है कि कैश उन्हें बदनाम करने के उद्देश्य से रखा गया था। समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रत्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक और विशेषज्ञों के सबूत यह साबित करते हैं कि नई दिल्ली स्थित 30 तुगलक क्रीसेंट के स्टोररूम में नकदी मौजूद थी। रिपोर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को केंद्रीय फॉरेंसिक प्रयोगशाला द्वारा प्रमाणित किया गया है। पैनल ने यह भी दर्ज किया कि 15 मार्च की सुबह जले हुए 500 रुपये के नोटों की गड्डियों को 'भरोसेमंद नौकरों' की मदद से साफ किया गया था और यह पूरी प्रक्रिया जस्टिस वर्मा के निजी सचिव की मौजूदगी में हुई। लोकसभा द्वारा गठित समिति में सुप्रीम कोर्ट के जज अरविंद कुमार, मद्रास

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और वरिष्ठ अधिवक्ता बीवी आचार्य शामिल हैं। वहीं, 22 मार्च को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा गठित समिति में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अनु शिवरमन को शामिल किया गया था।

विधायक ने कहा- प्रियंका गांधी को सौंपें लीडरशिप, कांग्रेस ने दिखा दिया बाहर का रास्ता

भुवनेश्वर (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने पूर्व विधायक मोहम्मद मुकीम को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई उनके उस पत्र के बाद हुई है जिसमें उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर गंभीर सवाल उठाए थे। मुकीम ने राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उम्र पर टिप्पणी की थी और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को प्रमुख नेतृत्व भूमिका देने की मांग की थी। ओडिशा प्रदेश इकाई की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि केंद्रीय नेतृत्व ने मुकीम को पार्टी से निकालने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

मुकीम बाराबती-कटक से पूर्व विधायक हैं और खुद को कांग्रेस का आजीवन समर्पित कार्यकर्ता बताते हैं। उनकी बेटी वर्तमान में विधायक हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार में मुकीम ने कहा कि पार्टी मुश्किल दौर से गुजर रही है और नए नेतृत्व की जरूरत है। उन्होंने खरगे की 83 वर्ष की उम्र का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष की प्रमुख पार्टी के नेता के रूप में आवश्यक मेहनत, दौड़-भाग और लोगों से जुड़ाव संभव नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि खरगे सलाहकार की भूमिका निभाएं और किसी युवा नेता को आगे लाएं। मुकीम ने प्रियंका गांधी सहित अन्य

युवा नेताओं की तारीफ की और कहा कि राहुल गांधी अपनी भूमिका अच्छे से निभा रहे हैं, लेकिन पार्टी को मजबूत करने के लिए सक्रिय नेतृत्व चाहिए। यह अपील उन्होंने कांग्रेस के सच्चे कार्यकर्ता के रूप में सोनिया गांधी से की।

मुकीम के पत्र में पार्टी नेतृत्व और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच बढ़ती दूरी पर कड़ी चिंता जताई गई थी। उन्होंने दावा किया कि खुद तीन वर्षों से राहुल गांधी से मिलने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिली। पत्र में ज्योतिरादित्य सिंधिया, मिलिंद देवड़ा और हिमंत बिस्वा सरमा जैसे युवा नेताओं के पार्टी छोड़ने का उदाहरण दिया गया, जिन्होंने खुद को उपेक्षित महसूस किया। मुकीम ने सुझाव दिया कि प्रियंका गांधी को केंद्रीय और सक्रिय भूमिका संभालनी चाहिए तथा सचिन पायलट, डी.के. शिवकुमार, ए. रेवंत रेड्डी और शशि थरूर जैसे नेताओं को मुख्य नेतृत्व टीम का आधार बनना चाहिए।

उन्होंने पार्टी की स्थिति पर गहरा दुख व्यक्त किया कि उसकी मौजूदगी भौगोलिक, संगठनात्मक और भावनात्मक स्तर पर सिमटती जा रही है। समर्पित कार्यकर्ताओं के लिए यह निराशाजनक और दिल तोड़ने वाली है। मुकीम ने बिहार, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र तथा जम्मू-कश्मीर के हालिया चुनाव परिणामों को केवल हार नहीं, बल्कि गहरे संगठनात्मक अलगाव का संकेत बताया। इन चुनावों में पार्टी को भारी अंतर से पराजय मिली थी। उन्होंने नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के बीच दूरी बढ़ने की बात दोहराई और कहा कि विधायक रहते हुए भी वे राहुल गांधी से नहीं मिल पाए। सोनिया गांधी को लिखे पत्र में मुकीम ने स्पष्ट किया कि यह कोई व्यक्तिगत शिकायत नहीं, बल्कि पूरे देश के कार्यकर्ताओं द्वारा महसूस किए जा रहे भावनात्मक अलगाव का संकेत है। उन्होंने पार्टी को मजबूत करने के लिए गहन संरचनात्मक, संगठनात्मक और वैचारिक नवीनीकरण की जरूरत पर जोर दिया। यह घटना पार्टी के अंदरूनी मतभेदों को उजागर करती है और नेतृत्व परिवर्तन की मांग को बल देती है। मुकीम की यह अपील पार्टी के भविष्य और युवा नेतृत्व की भूमिका पर व्यापक बहस छेड़ सकती है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर कोहरा बना काल... अलग-अलग हादसों में चार लोगों की मौत

–मरने वालों में एक सीआईएसएफ का सब इंस्पेक्टर भी शामिल

फरीदाबाद (एजेंसी)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सोमवार को घने कोहरे ने कहर बरपा दिया। फरीदाबाद और नूंह जिलों में अलग-अलग स्थानों पर हुए हादसों में चार लोगों की मौत। कई वाहन आपस में टकराए और दस से अधिक लोग घायल हो गए। मरने वालों में एक सीआईएसएफ का सब इंस्पेक्टर भी शामिल है।

सोमवार सुबह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर घना कोहरा हादसों का कारण बना। दृश्यता बेहद कम होने से वाहन चालकों को आगे का रास्ता नहीं दिखा और एक के बाद एक टक्कर होती चली गई। फरीदाबाद के कैल गांव के पास दो अलग-अलग सड़क हादसे हुए। हादसा इतना भीषण था कि कार में सवार तीन लोगों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई। तीसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया। मृतकों में एक की पहचान संदीप कुमार निवासी जयपुर के

रूप में हुई है, जबकि दूसरे मृतक की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस स्थान के पास कुछ ही देर बाद दूसरा हादसा भी हुआ। एक कैंटर में पीछे से क्रेटा गाड़ी जा टकराई। गनीमत रही कि क्रेटा चालक बाल-बाल बच गया, लेकिन उसकी गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू कराया।

जिला नूंह में भी कोहरे ने बड़ा हादसा करा दिया। सुबह करीब चार बजे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर करीब 30 वाहन आपस में भिड़ गए। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दस से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को जिला के राजकीय अस्पताल मांडीखेड़ा में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है।

मरने वालों में सीआईएसएफ के सब इंस्पेक्टर हरीश कुमार निवासी अलवर और जयपुर निवासी कारोबारी खलील अहमद शामिल हैं। कुछ स्थानों पर ट्रक पलटने की भी सूचना है, जिससे यातायात काफी देर तक बाधित रहा। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस और एम्बुलेंस के देरी से पहुंचने का आरोप लगाया।

दुनिया भर में चुनाव और राजनीतिक उथल-पुथल: कई देशों में जनता ने तख्ता पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2025 का साल दुनिया के कई देशों के लिए राजनीतिक उतार-चढ़ाव और महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आया। साल के अंत तक कई देशों में चुनाव संपन्न हो चुके हैं। कुछ देशों में जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से सरकार चुनी, जबकि अन्य जगहों पर गंभीर संकट और विरोध-प्रदर्शन के बाद सत्ता में बदलाव हुआ। इस साल वैश्विक राजनीति में कई बार तनावपूर्ण हालात बने, और कुछ देशों में चुनाव के बाद हिंसा भी भड़की। आइए जानते हैं कि 2025 में किन देशों में चुनाव हुए और उनके नतीजों के बाद क्या परिस्थितियां बनीं। तंजानिया में 20 अक्टूबर को आम चुनाव आयोजित हुए, जिसमें सामिया सुलुह हसन ने दूसरी बार राष्ट्रपति पद संभाला। हालांकि, चुनाव के बाद हिंसा भड़की, जिसमें करीब 700 लोगों की मौत की खबरें आईं। कैमरून में 12 अक्टूबर को चुनाव हुआ, जिसमें मौजूदा राष्ट्रपति पॉल बिया फिर से सत्ता में लौटे।

कनाडा में 28 अप्रैल को संघीय चुनाव संपन्न हुआ। इसमें मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने जीत हासिल की, और वह फिर से प्रधानमंत्री बने। यह स्थिति उस समय बनी जब जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद कार्नी प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया में 3 मई को चुनाव हुआ, जिसमें लेबर पार्टी ने जीत हासिल की और एंथनी अल्बनीज फिर से प्रधानमंत्री बने। जर्मनी में 23 फरवरी को चुनाव संपन्न हुए, जिसमें फ्रेडरिक मर्ज की पार्टी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) ने 20.8 फीसदी वोटों के साथ जीत हासिल की। बेलारूस में 26 जनवरी को हुए चुनाव में अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने लगातार सातवीं बार जीत दर्ज की। उन्हें 86.8 फीसदी वोट मिले, हालांकि चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठाए गए।

मिस्र में चुनाव दो चरणों में हुए; पहला चरण 10-11 नवंबर और दूसरा 24-25 नवंबर को संपन्न हुआ, लेकिन अभी तक नतीजा घोषित नहीं हुआ है। फिलिपींस में 12 मई को मिडटर्म चुनाव संपन्न हुए, जबकि देश का आम चुनाव 2028 में होगा। अर्जेंटीना में इस साल मिडटर्म चुनाव हुए, जिसमें राष्ट्रपति जाविएर मिलेई की पार्टी ला लिबरटेड अवांजा (एलएलए) ने बड़ी जीत दर्ज की। जापान के निचले सदन में जुलाई में चुनाव हुआ, जिसमें सत्ताधारी पार्टी एलडीपी को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद शिगेरु इशीबा ने अपने पद से इस्तीफा दिया और एलडीपी से साने ताकाइची को बहुमत के साथ प्रधानमंत्री चुना गया।

नेपाल में जेन जेड के हिंसक प्रदर्शन के बाद केपी ओली की सरकार गिर गई। इसके बाद सुशीला कार्की की अंतरिम सरकार ने जिम्मेदारी संभाली। यहां अगले साल मार्च में आम चुनाव आयोजित होने की संभावना है। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 2024 में संपन्न हुआ था, लेकिन इस साल जनवरी में डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के खिलाफ कयास लगाए गए थे कि 2025 में आम चुनाव हो सकता है, लेकिन यहां आम चुनाव फरवरी 2026 में निर्धारित है। साल 2025 ने साबित किया कि दुनिया के कई देशों में लोकतंत्र और सत्ता परिवर्तन अभी भी चुनौतीपूर्ण और तनावपूर्ण परिस्थितियों में होता है। चुनाव के नतीजे कभी शांतिपूर्ण

बदलाव लाते हैं, तो कभी हिंसा और प्रदर्शन को जन्म देते हैं। इस साल के घटनाक्रम ने वैश्विक राजनीति में निरंतर बदलते परिदृश्य और जनता की सक्रिय भूमिका को स्पष्ट रूप से उजागर किया।

लक्षद्वीप पीएम मोदी के नीली क्रांति के विजन को करेगा साकार: लक्षद्वीप में मत्स्य उद्योग में अपार संभावनाएं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, लक्षद्वीप 15 दिसंबर। मत्स्य पालन विभाग ने 13 दिसंबर, 2025 को लक्षद्वीप केंद्र शासित प्रदेश के बंगाराम द्वीप समूह में मत्स्य पालन की अप्रयुक्त क्षमता को उजागर करने के उद्देश्य से पहली बार निवेशक सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह (मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय), राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल (पशुपालन एवं विकास मंत्रालय और पंचायती राज), श्री जॉर्ज कुरियन (पशुपालन एवं विकास मंत्रालय और अल्पसंख्यक मामलों के) और श्री प्रफुल पटेल (लक्षद्वीप के माननीय प्रशासक) की गरिमामय उपस्थिति रही। यह केंद्र शासित प्रदेश में आयोजित अपनी तरह की पहली निवेशक बैठक थी, जिसमें टूना और गहरे समुद्र की मत्स्य पालन, समुद्री शैवाल की खेती, सजावटी मत्स्य पालन और अपशिष्ट प्रबंधन आदि क्षेत्रों में काम करने वाले लगभग 22 निवेशकों और प्रमुख उद्यमियों ने देश भर से भाग लिया। भारत सरकार के मत्स्य विभाग ने बैठक के दौरान मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र में निवेश के अवसरों के लिए 4 प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। टूना और गहरे समुद्र में मत्स्य पालन विकास के अवसर-टूना मछली पकड़ने, प्रसंस्करण, डिब्बाबंदी, मूल्यवर्धित उत्पादों, ब्रांडिंग और निर्यात में अवसर मौजूद हैं। लक्षद्वीप में टूना और गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। भारत के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा लक्षद्वीप के अंतर्गत आता है और यहां टूना और अन्य मूल्यवान प्रजातियों का समृद्ध भंडार मौजूद है। इसके बावजूद, वर्तमान में लगभग 15,000 टन का उत्पादन अनुमानित एक लाख टन की क्षमता का मात्र एक अंश है। मछली पकड़ने, प्रमाणीकरण, ब्रांडिंग और निर्यात-उन्मुख प्रसंस्करण को शामिल करते हुए एक आधुनिक मूल्य श्रृंखला विकसित करके, निवेशक लक्षद्वीप की टूना को ''लक्षद्वीप सस्टेनेबल टूना'' जैसी सशक्त पहचान के साथ प्रीमियम अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में स्थापित करने में मदद कर सकते हैं। इस क्षेत्र में मछली पकड़ने की पारंपरिक पद्धतियां इसे मरीन स्टीवर्डशिप काउंसिल (एमएससी) जैसी वैश्विक पर्यावरण लेबलिंग प्रणालियों के लिए आदर्श बनाती हैं, जिससे उच्च स्तरीय बाजारों और प्रीमियम कीमतों तक पहुंच संभव हो सकती है। स्मार्ट मछली पकड़ने वाले बंदरगाहों, कोल्ड चेन सुविधाओं और प्रसंस्करण इकाइयों सहित बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ बेड़े के आधुनिकीकरण के अवसर भी मौजूद हैं। इसके अलावा, ऑनबोर्ड भंडारण और प्रसंस्करण से लैस उन्नत मल्टी-गियर गहरे समुद्र में मछली पकड़ने वाले जहाजों और मछली एकत्र करने और परिवहन के लिए मदर वेसल्स के माध्यम से विकास संभव है। ये सभी पहलें मिलकर लक्षद्वीप को टिकाऊ और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी टूना मत्स्य पालन का केंद्र बनाने का वादा करती हैं।

समुद्री शैवाल: अपतटीय खेती, बायोमास प्रसंस्करण, जैव उत्पाद

लक्षद्वीप का 4200 वर्ग किलोमीटर से अधिक का विशाल लैगून क्षेत्र समुद्री शैवाल की खेती के लिए आदर्श वातावरण प्रदान करता है, और समुद्री शैवाल आधारित उत्पादों की वैश्विक मांग में तेजी से वृद्धि के साथ, यह क्षेत्र कृषि प्रणालियों, नर्सरियों, बायोमास प्रसंस्करण और जैव-उत्पाद निर्माण में महत्वपूर्ण निवेश के अवसर प्रस्तुत करता है। एक अधिसूचित समुद्री शैवाल क्लस्टर के रूप में, लक्षद्वीप ने समुद्री शैवाल बीज बैंक और समुद्री शैवाल हैचरी जैसी पहलों के माध्यम से पीएमएमएसवाई के तहत एक मजबूत आधार स्थापित किया है, जिससे क्षेत्र के तीव्र विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। लक्षद्वीप प्रशासन निजी क्षेत्र द्वारा समुद्री शैवाल की खेती को बढ़ावा देने के लिए एक पट्टा नीति पर भी काम कर रहा है। निवेशक इस गति का लाभ उठाकर समुद्री शैवाल की खेती, प्रसंस्करण क्षमता, लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और बाजार संबंधों का विस्तार कर सकते हैं, जिससे लक्षद्वीप के उत्पादों को वैश्विक बाजारों में स्थान मिल सके। आर्थिक संभावनाओं के अलावा, समुद्री शैवाल की खेती कार्बन पृथक्करण और समुद्री जैव विविधता संवर्धन जैसे पर्यावरणीय लाभ प्रदान करती है, साथ ही खाद्य, फार्मास्यूटिकल्स और सौंदर्य प्रसाधन सहित विभिन्न उद्योगों को भी सहयोग देती है।

सजावटी: हैचरी, ब्रूड बैंक, एकीकृत इकाईयां

लक्षद्वीप में सजावटी मछली व्यापार के लिए उपयुक्त समुद्री मछलियों की लगभग 300 प्रजातियां पाई जाती हैं, जो लगभग 35 परिवारों से संबंधित हैं, जैसे कि रैस, डैम्सेलफिश, कार्डिनलफिश, ग्रूपर, सर्जनफिश, बटरफ्लाईफिश, गोटफिश, ब्लेंनी, स्कॉर्पियनफिश, ट्रिगरफिश और स्क्विरलफिश। यह समृद्ध जैव विविधता द्वीपों को समुद्री सजावटी मछली पालन केंद्रों, प्रजनन विकास सुविधाओं और एकीकृत पालन इकाइयों की स्थापना के लिए एक आदर्श स्थान बनाती है, जिनका उद्देश्य जंगली प्रजातियों पर निर्भरता को कम करना है। सजावटी मछलियों की बढ़ती वैश्विक मांग के साथ, निवेशकों के पास टिकाऊ प्रजनन प्रणालियों, निर्यात-उन्मुख उद्यमों और संरक्षण-अनुकूल प्रथाओं को विकसित करके आकर्षक मछली पालन व्यापार में प्रवेश करने का अवसर है, जो स्थानीय रोजगार भी पैदा करते हैं और लक्षद्वीप को अंतर्राष्ट्रीय सजावटी मछली बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करते हैं।

अपतटीय पिंजरा पालन

लक्षद्वीप में लगभग 4 लाख वर्ग किलोमीटर के विशाल विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र का लाभ उठाते हुए, अपतटीय पिंजरा मछली पालन की अपार संभावनाएं हैं, जिससे बड़े पैमाने पर टिकाऊ समुद्री कृषि को बढ़ावा दिया जा सकता है। देश के अन्य क्षेत्रों में सफल प्रायोगिक पहलों से इस क्षेत्र को मजबूती मिली है। एक उल्लेखनीय प्रायोगिक अध्ययन एनएफडीबी द्वारा स्थानीय सहकारी समितियों और सीएमएफआरआई के सहयोग से ओडिशा के बालासोर में किया गया, जिसमें सी बास, पोम्पानो और मुलेट जैसी प्रजातियों के लिए 30 पिंजरे लगाए गए। पीएमएमएसवाई द्वारा समर्थित और जेएसडब्ल्यू जयगढ़ पोर्ट लिमिटेड की सीएसआर पहल के माध्यम से वित्त पोषित एक अन्य प्रायोगिक परियोजना में सहकारी समितियों के साथ साझेदारी में सीएमएफआरआई तकनीक का उपयोग करते हुए 30 पिंजरे लगाए गए। ये प्रायोगिक परियोजनाएं अपतटीय पिंजरा मछली पालन की तकनीकी व्यवहार्यता और व्यावसायिक संभावनाओं को रेखांकित करती हैं, जिससे निवेशकों के लिए संचालन बढ़ाने और लक्षद्वीप को भी आधुनिक समुद्री कृषि के केंद्र के रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होता है।

निष्कर्ष

निवेश को सुगम बनाने और प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए, लक्षद्वीप में परियोजनाओं की सुचारू स्वीकृति हेतु एक एकल-खिड़की प्रणाली विकसित की जा रही है। इस निवेशक सम्मेलन ने पहले ही काफी रुचि उत्पन्न की है, जिसमें 500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों की परिकल्पना की गई है, जो सतत विकास सुनिश्चित करते हुए लक्षद्वीप की नीली अर्थव्यवस्था की अपार क्षमता को उजागर करने के लिए एक आशाजनक भविष्य को सुनिश्चित करते है।

तीन डी–दस्तावेजीकरण, प्रदर्शन और प्रसार–की बढ़ती आवश्यकता पर डॉ. बी. के. एस. संजय के विचार

- बेहतर जनसंपर्क में तीन डी का महत्वः अध्यक्ष, एम्स गुवाहाटी

15 दिसंबर 2025, देहरादून। जनसंपर्क किसी भी सार्वजनिक सेवा का आधार है, पद्म श्री डॉ. बी. के. एस. संजय, अध्यक्ष, एम्स गुवाहाटी ने कहा। वे 47वें अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि थे। डॉ. संजय, गिनीज़ विश्व रिकॉर्ड धारक, ने बताया कि भरोसा, पारदर्शिता और समाज के साथ सक्रिय सहभागिता से ही सार्थक सेवा संभव है। उन्होंने कहा कि बेहतर समुदाय के लिए संवाद, समझ और सभी हितधारकों की भागीदारी जरूरी है। सम्मेलन में माननीय श्रीमती ऋतु खंडूरी, उत्तराखंड विधानसभा की अध्यक्ष, और डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक', पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड एवं पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री भी उपस्थित थे। करीब 300 प्रतिनिधि देशभर से आए थे। डॉ. संजय ने सफलता के तीन स्तंभ–व्यवहार, ज्ञान और कौशल (BKS)–का महत्व बताया। उन्होंने मज़ाक में कहा, ''यदि आप कभी भूल जाएँ, तो मेरे आद्याक्षर याद रखेंः इ यानी व्यवहार, ङ यानी ज्ञान, र यानी कौशल। उन्होंने 3D दृष्टिकोण–दस्तावेज़ीकरण, प्रदर्शन और प्रसार–पर जोर दिया। दस्तावेज़ीकरण सटीकता सुनिश्चित करता है, प्रदर्शन समझ बढ़ाता है और प्रसार सही दर्शकों तक संदेश पहुँचाता है। 3D दृष्टिकोण जानकारी को प्रभाव में बदलता है, भरोसा बनाता है और हितधारकों के साथ सार्थक जुड़ाव को सक्षम करता है,'' डॉ. संजय ने कहा। उन्होंने सभी पेशेवरों से संरचित, पारदर्शी और आकर्षक जनसंपर्क की आवश्यकता पर जोर दिया।

सिलवासा के धावकों ने अंतर्राष्ट्रीय मैराथन में बढ़ाया क्षेत्र का मान, फिटनेस संस्कृति को मिली नई पहचान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 15 दिसंबर। सिलवासा के निवासी और उद्यमी डैनी नून्स ने 13 दिसंबर 2025 को संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित एडनॉक अबूधाबी मैराथन (42.195 किलोमीटर) सफलतापूर्वक पूरी कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह मैराथन स्थानीय समय अनुसार सुबह 6 बजे शुरू हुई थी, जिसे उन्होंने 3 घंटे 45 मिनट 19 सेकंड में पूरा किया। रेगिस्तानी क्षेत्र में अत्यधिक गर्मी और उमस के बावजूद 47 वर्षीय डैनी नून्स ने पूरी मजबूती के साथ दौड़ पूरी की। वे एक फिटनेस उत्साही और जुनूनी धावक हैं तथा अब तक कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मैराथन में भाग लेकर शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं, जिनमें कई जीत भी शामिल हैं। इसी कड़ी में 7 दिसंबर 2025 को सिलवासा के प्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. अमोल पटेल (नोवा हॉस्पिटल) ने सिंगापुर मैराथन (42.195 किमी) को 3 घंटे 50 मिनट में पूरा किया। इससे पहले सितंबर 2025 में वे जर्मनी में आयोजित प्रतिष्ठित बर्लिन मैराथन भी सफलतापूर्वक पूरी कर चुके हैं। डॉ. अमोल पटेल ने वर्ष 2016 में सामान्य रूप से दौड़ना शुरू किया था, लेकिन 2023 से उन्होंने इसे गंभीरता से अपनाया। उन्होंने अपना वजन 83 किलोग्राम से घटाकर 66 किलोग्राम किया और जनवरी 2024 में टाटा मुंबई मैराथन के माध्यम से अपनी पहली मैराथन पूरी की। अब तक वे 6 आधिकारिक मैराथन पूरी कर चुके हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत समय 3 घंटे 48 मिनट रहा है। इस वर्ष एक और बड़ी उपलब्धि सिलवासा की 40 वर्षीय गृहिणी नेहा रंजन ने हासिल की। उन्होंने 8 जून 2025 को दक्षिण अफ्रीका के डरबन शहर में आयोजित दुनिया की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित कॉमरेड्स अल्ट्रा मैराथन (90 किलोमीटर) को सफलतापूर्वक पूरा किया। नेहा रंजन इससे पहले भी कई मैराथन और अल्ट्रा मैराथन में शानदार प्रदर्शन कर चुकी हैं और कई प्रतियोगिताओं में जीत दर्ज कर चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि नेहा रंजन और डॉ. अमोल पटेल दोनों ने नवंबर 2025 में आयोजित प्रतिष्ठित अडानी अहमदाबाद मैराथन में पेसर (द्वी१) की भूमिका भी निभाई, जिससे नए धावकों को प्रेरणा मिली। संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली की राजधानी सिलवासा जैसे छोटे शहर से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह उपलब्धियां क्षेत्र में फिटनेस और रनिंग संस्कृति के तेजी से बढ़ने का संकेत हैं। ये सभी खिलाड़ी अपने उदाहरण से लोगों को स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूक कर रहे हैं। सिलवासा के सभी फिटनेस प्रेमी और धावक समुदाय की ओर से इन सभी को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी जा रही हैं।

नोटिस

ये नोटिस के द्वारा हम जानकारी दे रहे हे की स्वर्गीय श्री जीवणभाई कारीयभाई रोहित जिंका देहांत दिनांक 02.05.2019 को हुआ था, पताः घर नंबर 4/88, न्यू मेक्स सिनेमा के सामने, बावीसा फलिया, रोहित फलिया, आमली, सिलवासा, दादरा एवं नगर हवेली के रहवासी थे उनके देहांत के बाद उनके द्वारा अर्जित/उनके नाम पे चली आ रही सिलवासा नगर परिषद मे आई हुई संपत्ति जो की आमली के न्यू मेक्स सिनेमा के सामने, बावीसा फलिया, रोहित फलिया, आमली, सिलवासा, दादरा एवं नगर हवेली में जमीन सर्वे नंबर 872/2 मे जो घर, रूम वगेरा उनके बेटे श्री प्रवीणभाई जीवणभाई रोहित के नाम पे करनी हे, अतः जिसकिसी व्यक्ति या संस्था को इस विषय मे आपत्ति हो वो नीचे दिए गए पते पे दिन पंद्रह (15) के अंदर सुपरत करे, उसके बाद आने वाले किसी भी आपति को ध्यान मे लिया नहीं जाएगा।

(प्रवीणभाई जीवणभाई रोहित)
वो स्वर्गीय जीवणभाई कारीयभाई
रोहित के सुपुत्र

पताः
घर नंबर 4/88, न्यू मेक्स सिने के सामने,
बावीसा फलिया, रोहित फलिया,
आमली, सिलवासा, दादरा एवं नगर हवेली।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM OLD NAME/NAMES :- RUDRA DIPAK CHOPADIA / RUDRA CHOPADIA **TO NEW NAME :- RUDRA DEEPAK CHOPADIA** AS PER MY DOCUMENTS
ADDRESS : FLAT NO 105, GREEN COMPLEX, OP ADIVASHI BHAVAN, SILVASSA, DADRA & NAGAR HAVELI 396230

CHANGE OF NAME

OLD NAME: MAMTA B DABI **NEW NAME: MAMTA BHARATKUMAR DABI**
ADDRESS: E-4/8, PRAMUKH DARSHAN, NAROLI ROAD, SILVASSA, DADRA & NAGAR HAVELI - 396 230.

भगवान बिरसा मुंडा की सच्ची विरासत

हर वर्ष, भगवान बिरसा मुंडा @ धरती आबा (1875-1900) की जयंती (15 नवंबर) पर कई वामपंथी और चर्च की विश्वदृष्टि के बौद्धिक उत्तराधिकारी उनकी विरासत को हथियाने और आदिवासियों को गैर-हिंदू के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश करते हैं। विडंबना यह है कि आज वही ताकतें, जो उनकी हत्या की जिम्मेदार थीं, उनकी विरासत को हड़पने और आदिवासियों को धोखा देने के लिए स्वयं को भगवान बिरसा मुंडा की विरासत के ध्वजवाहक के रूप में पेश कर रही हैं।

वे जानबूझकर इस तथ्य को छिपाते हैं कि भगवान बिरसा मुंडा, जिन्होंने प्रारंभ में मिशनरी स्कूल में शिक्षा प्राप्त की थी, बाद में चर्च और ईसाई धर्म से निराश हो गए क्योंकि वे आदिवासियों को पिछड़ा हीन बताते थे। वास्तव में, भगवान बिरसा मुंडा की हत्या ब्रिटिशों ने इसलिए की क्योंकि उन्हें ईसाई धर्म के प्रसार और आदिवासियों के शोषण को चुनौती देने वाला खतरा माना जाता था। वे यह तथ्य भी छिपाते हैं कि आनंद पंत (एक वैष्णव उपदेशक) ने, ईसाई धर्म त्यागने के बाद, भगवान बिरसा का मार्गदर्शन किया। भगवान बिरसा ने भगवद गीता, रामायण और महाभारत भी पढ़ी थी, जिससे उनकी आध्यात्मिक रूपांतरण की प्रक्रिया शुरू हुई। उनके अनुयायी उन्हें भगवान का 'अवतार' मानते थे, जो सनातन धर्म का एक गहरा तत्व है।

बिरसा मुंडा पर एक पुस्तक (लाइफ एंड टाइम्स ऑफ बिरसा मुंडा गोपी कृष्ण कुँवर) बताती है कि उन्होंने 1899 के विद्रोह से पहले रांची के के पास जगन्नाथ मंदिर में पूजा की थी। 1895 में, उन्होंने 'बिरसाइत' नामक एक धार्मिक आंदोलन/पंथ शुरू किया, जिसकी कई विशेषताएँ सनातन धर्म से मिलती-जुलती थीं (इसे सनातन धर्म के एक पंथ के रूप में भी देखा जा सकता है)। भगवान बिरसा अक्सर महाभारत और रामायण से उद्धरण देते थे। अपनी सनातनी परंपरा का स्पष्ट प्रतिबिंब दिखाते हुए, उन्होंने आदिवासियों से ईसाई धर्म त्यागने का आग्रह किया; मांस, शराब, खैनी, बीड़ी के सेवन पर रोक लगाई; गौ-हत्या पर प्रतिबंध लगाया, घर के बरामदे में तुलसी पौधा लगाने को कहा; सादा जीवन जीने की अपील की, टोना टोटका का विरोध किया; और जनेऊ धारण करने का आ''ान किया। आधुनिक समय के कितने स्वार्थी लोग, जो केवल अपने फायदे के लिए भगवान बिरसा का नाम इस्तेमाल करते हैं, इन सिद्धांतों का पालन करने को तैयार थे? वे भगवान बिरसा के सनातन धर्म से घनिष्ठ संबंध को छिपाकर क्या प्राप्त करना चाहते थे?

अपनी CCC (Confuse, Convince and Convert) साज़िश (मूल धार्मिक पहचान को भ्रमित करना, मूल पहचान छोड़ने के लिए मनाना और गैर-सनातनी धर्म में परिवर्तन कराना) के हिस्से के रूप में, विरोधी-आदिवासी ताकतों की रणनीति हमेशा से आदिवासियों-जो सनातन धर्म की सबसे बड़ी ताकत स्तंभ थे-को सनातन से दूर करना, उनकी सांस्कृतिक/धार्मिक जड़ों को कमजोर करना और उन्हें अन्य धर्मों में परिवर्तित करने के प्रति संवेदनशील बनाना रही है। हमारे सरल-विश्वासी आदिवासी भाइयों को इस साज़िश को समझने और आदिवासी-सनातनी विरासत को नष्ट करने की इस साज़िश को विफल करने की आवश्यकता है।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM NISHANT DILIP **TO NISHANT DILIPBHAI KARBHARI**
ADDRESS :- 252, AMALIA FALIA, DABHEL, NANI DAMAN-396210.

भाजपा में युवा नेतृत्व की नई आहट पर भरोसा

ललित गर्ग

नितिन नबीन बिहार की राजनीति में कोई नया नाम नहीं हैं। वे पांच बार विधायक रह चुके हैं और जमीनी राजनीति की बारीकियों से भलीभांति परिचित हैं। संगठन और सरकार-दोनों के अनुभव से संपन्न नितिन नबीन ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है।

भारतीय राजनीति में लंबे समय से जिस क्षण की प्रतीक्षा थी, वह अब एक निर्णायक मोड़ पर आ खड़ी हुई है। दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने अपने राष्ट्रीय नेतृत्व की बागडोर युवा हाथों में सौंपने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए नितिन नबीन को पार्टी का नया कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। यद्यपि यह नियुक्ति औपचारिक रूप से अस्थायी कही जा रही है, किंतु जिस प्रकार से इस निर्णय का पार्टी के भीतर और बाहर स्वागत हो रहा है, उससे यह संकेत स्पष्ट हैं कि भविष्य में उन्हें ही पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया जा सकता है। यह नियुक्ति केवल एक संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की कार्यशैली, नेतृत्व-चयन और भविष्य-दृष्टि में आए एक बड़े परिवर्तन का उद्घोष है। भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड का यह निर्णय न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अब तक लिए गए साहसिक, अप्रत्याशित और दूरगामी परिणाम देने वाले निर्णयों की श्रृंखला का एक नया और महत्वपूर्ण अध्याय भी है।

नितिन नबीन बिहार की राजनीति में कोई नया नाम नहीं हैं। वे पांच बार विधायक रह चुके हैं और जमीनी राजनीति की बारीकियों से भलीभांति परिचित हैं। संगठन और सरकार-दोनों के अनुभव से संपन्न नितिन नबीन ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। इसके साथ ही संगठन के विभिन्न स्तरों पर उन्होंने जिस अनुशासन, रणनीतिक समझ और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया है, वही उन्हें इस पद के लिए स्वाभाविक विकल्प बनाता है। उनका राजनीतिक व्यक्तित्व केवल भाषणों तक सीमित नहीं, बल्कि संगठन खड़ा करने, कार्यकताओं को जोड़ने और वैचारिक प्रतिबद्धता बनाए रखने की क्षमता से परिपूर्ण है। यही गुण भाजपा की आत्मा भी है-जहां व्यक्ति नहीं, संगठन सर्वोपरि होता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक स्थायी गुण रहा है-नए चेहरों पर भरोसा और पीढ़ीगत नेतृत्व का निर्माण। चाहे वह केंद्र सरकार में मंत्रियों का चयन हो, राज्यों में मुख्यमंत्रियों की नियुक्ति हो या संगठन में बदलाव-मोदी ने बार-बार यह साबित किया है कि वे भविष्य की राजनीति को आज गढ़ने में विश्वास रखते हैं। नितिन नबीन का चयन भी इसी विचारधारा का प्रतिफल है। यह निर्णय संकेत देता है कि भाजपा अब केवल चुनाव जीतने की पार्टी नहीं रहना चाहती, बल्कि अगले दो-तीन दशकों के लिए एक स्थायी वैचारिक और संगठनात्मक नेतृत्व तैयार कर रही है। युवा पीढ़ी, विशेषकर पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं को आकर्षित करने की दृष्टि से यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है। भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद केवल संगठनात्मक नहीं,

बल्कि वैचारिक संतुलन का केंद्र भी होता है। इस पद पर नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहमति और समर्थन अनिवार्य माना जाता है। भाजपा की चुनावी सफलताओं में संघ की भूमिका सदैव निर्णायक रही है-चाहे वह विचार-प्रसार हो, कार्यकर्ता निर्माण हो या सामाजिक संपर्क। पिछले कुछ चुनावों में जिन परिस्थितियों का सामना पार्टी को करना पड़ा, उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि भाजपा संगठन और संघ के बीच पूर्ण सामंजस्य कितना आवश्यक है। ऐसे में नितिन नबीन का चयन यह संकेत देता है कि संघ और पार्टी नेतृत्व के बीच गहन विमर्श और सहमति के बाद ही यह निर्णय लिया गया है। यह नियुक्ति भाजपा को वैचारिक रूप से और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है।

नितिन नबीन के सामने सबसे बड़ी और तात्कालिक चुनौती पश्चिम बंगाल के आगामी चुनाव हैं। यह राज्य लंबे समय से भाजपा के लिए रणनीतिक और वैचारिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण रहा है। यहां केवल सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति, राष्ट्रवाद और सामाजिक संतुलन की भी परीक्षा होती है। एक संगठनात्मक अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन की वास्तविक कसौटी यहीं होगी। यदि वे बंगाल में संगठन को नई धार देने, कार्यकताओं में ऊर्जा भरने और जनता के बीच विश्वास स्थापित करने में सफल होते हैं, तो उनका नेतृत्व स्वतः ही प्रमाणित हो जाएगा। यही वह मंच है, जहां उनका रुतबा, कौशल और रणनीतिक दृष्टि राष्ट्रीय राजनीति के सामने स्पष्ट होगी।

भाजपा की राजनीति में एक विशेष परंपरा रही है-जहां कयास कुछ और होते हैं और निर्णय बिल्कुल अलग दिशा से आता है। अनेक नाम चर्चा में रहते हैं, अनेक चेहरे मंजिल के निकट आकर भी ठहर जाते हैं, किंतु अंतिम निर्णय अक्सर सबको चौंकाने वाला होता है। यही भाजपा की ह्यचमत्कार करने वालीह्न संगठनात्मक शैली है। नितिन नबीन का मनोनयन भी इसी परंपरा का हिस्सा है। यह निर्णय उन तमाम अटकलों पर विराम लगाने की क्षमता रखता है, जो लंबे समय से अध्यक्ष पद को लेकर पार्टी के भीतर चल रही थीं। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भाजपा में पद नहीं, क्षमता निर्णायक होती है।

नितिन नबीन भारतीय राजनीति की उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने संगठनात्मक निष्ठा, वैचारिक स्पष्टता और सतत जनसंपर्क को अपनी राजनीतिक पहचान बनाया है। छात्र राजनीति से लेकर सक्रिय सार्वजनिक जीवन तक उनका सफर अनुशासन, कर्मठता, राष्ट्रीयता और संघर्ष की पाठशाला रहा है। वे जमीनी कार्यकताओं से सीधा संवाद स्थापित करने वाले, जनता की समस्याओं को संवेदनशीलता से समझने वाले और उन्हें प्रशासनिक व राजनीतिक मंचों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने वाले नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। नितिन नबीन की कार्यशैली में युवाओं के प्रति विश्वास, विकासोन्मुख सोच और पारदर्शिता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उनके राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे पद को नहीं, दायित्व को प्राथमिकता देते हैं और संगठन के मूल्यों के अनुरूप निरंतर आगे बढ़ते रहे हैं।

नितिन नबीन सिन्हा कायस्थ समुदाय के एक भारतीय राजनीतिज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वह दिग्गज भाजपा नेता नवीन किशोर सिन्हा के बेटे हैं। अभी उन्हें जेपी नड्डा की जगह पर भाजपा का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया है जो अध्यक्ष के चुनाव तक कार्यभार संभालेंगे। वे वर्तमान में बिहार सरकार में सड़क निर्माण मंत्री है। उन्होंने 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में लगभग 84,000 वोटों से जीत हासिल की। पिछले चुनाव में उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव सिन्हा को भारी अंतर से हराया था। पुष्पम प्रिया चौधरी भी इस चुनाव में भारी अंतर से हार गईं। वे पटना जिले के बांकीपुर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बिहार विधान सभा के सदस्य हैं। 2 मार्च 2017 को, नबीन ने बिहार कांग्रेस के नेता अब्दुल जलील मस्तान के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया और उनकी नागरिकता पर सवाल उठाया। मस्तान ने कथित तौर पर एक रैली में भीड़ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर को जूतों से मारने के लिए कहा था।

भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक सशक्त संगठनात्मक आंदोलन है, जिसकी आत्मा उसका अनुशासित, समर्पित और वैचारिक रूप से सजग कार्यकर्ता है। पार्टी का संगठनात्मक ढाँचा बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सहभागिता, संवाद और सामूहिक निर्णय की परंपरा को मजबूत करता है। संगठन नेतृत्व के प्रति कार्यकताओं का अटूट विश्वास, स्पष्ट दिशा और नेतृत्व की पारदर्शिता भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। यहाँ कार्यकर्ता स्वयं को सत्ता का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सहभागी मानता है। यही कारण है कि भाजपा में नेतृत्व और कार्यकर्ता के बीच विश्वास, प्रतिबद्धता और परस्पर सम्मान का संबंध दिखाई देता है, जो पार्टी को निरंतर सशक्त और गतिशील बनाए रखता है।

नितिन नबीन का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मनोनयन केवल एक व्यक्ति की नियुक्ति नहीं, बल्कि भाजपा के भविष्य की राजनीति का स्पष्ट संकेत है। यह युवा नेतृत्व, वैचारिक प्रतिबद्धता, संगठनात्मक अनुशासन और संघ-समन्वय का संगम है। यदि नितिन नबीन इस जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाते हैं-विशेषकर पश्चिम बंगाल जैसी कठिन राजनीतिक भूमि पर-तो वे न केवल भाजपा के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेंगे, बल्कि भारतीय राजनीति में युवा नेतृत्व की नई परिभाषा भी गढ़ेंगे। यही वह क्षण है, जहां राजनीति केवल सत्ता का खेल नहीं, बल्कि दृष्टि, धैर्य और दूरदर्शिता का प्रमाण बन जाती है।

संपादकीय

भारत के लिए बेहद मुश्किल घड़ी

स्थिति इसलिए अधिक गंभीर है, क्योंकि रुपये की कीमत उन अधिकांश देशों की मुद्राओं की तुलना में गिरी है, जिनसे भारत कारोबार करता है। बीते एक साल में 40 विदेशी मुद्राओं के बास्केट की तुलना में रुपया सस्ता हुआ है।

रुपया गिरते-गिरते एक अमेरिकी डॉलर की तुलना में 90 की मनोवैज्ञानिक संख्या को पार कर गया है। मुद्रा की गिरती कीमत के साथ विनिमय बाजार में देश में उत्पादित सामग्रियां सस्ती होती हैं। उनके परिणामस्वरूप श्रम एवं लागत सामग्री का मूल्य गिरता है। इस तरह यह कुल मिलाकर संबंधित देश में जीवन स्तर को नीचे ले जाता है। भारत के साथ अभी ये बात इसलिए अधिक गंभीर हो गई है, क्योंकि रुपये की कीमत उन अधिकांश देशों की मुद्राओं की तुलना में गिरती चली जा रही है, जिनसे भारत कारोबार करता है। बीते एक साल में ऐसी 40 मुद्राओं के बास्केट की तुलना में रुपया सस्ता हुआ है। सबसे ज्यादा-15.4 प्रतिशत-कीमत यूरो की तुलना में गिरी है। अमेरिकी डॉलर की तुलना में ये गिरावट 6.1 फीसदी रही है। बताया गया है कि अक्टूबर में भारतीय निर्यात में 41 बिलियन डॉलर से अधिक की रिकॉर्ड गिरावट की खबर आने के बाद गिरावट की रफ्तार तेज हो गई। इससे जाहिर हुआ कि चालू खाता और पूंजी खाता दोनों में भारत को विदेशी मुद्रा गंवानी पड़ रही है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक शेयर बाजार के नकदी सेगमेंट से इस वर्ष 17 बिलियन डॉलर से अधिक निकाल चुके हैं। बहरहाल, ये फौरी वजहें हैं। असल मुद्दा दीर्घकालिक रुझान का है। अभी गुजरे हफ्ते ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की विनिमय दर व्यवस्था को घुटना-टेक (क्राउल-लाइक) श्रेणी में डाल दिया। इसके पहले वह इसे फ्लोटिंग से गिराकर स्थिरकृत (स्टैबलाइज्ड) श्रेणी में रखा हुआ था। फ्लोटिंग श्रेणी में मुद्रा अपनी ताकत से अपना मूल्य बनाए रखती है। स्टैबलाइज्ड श्रेणी वह होती है, जिसमें सेंट्रल बैंक अपने हस्तक्षेप से रुपये की एक निश्चित कीमत बरकरार रखता है। जब सेंट्रल बैंक ऐसा करने की इच्छाशक्ति खो देता है, तो आईएमएफ मुद्रा को क्राउल-लाइक श्रेणी में रखता है। कुल मिलाकर मुद्रा का मूल्य अर्थव्यवस्था की मूलभूत शक्ति का आईना है। अमेरिकी टैरिफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर आशंकाएं बढ़ा रखी हैं। उसके परिणामस्वरूप चालू एवं पूंजी खातों की सूरत बिगड़ी है। उसकी झलक रुपये की कीमत में दिख रही है। कुल मिलाकर भारत के लिए बेहद मुश्किल घड़ी है।

चिंतन-मनन

सम्मान पाने के लिए मर्यादा का पालन जरूरी

संसार में भगवान राम मयार्दा पुरूषोत्तम के रूप में पूजे जाते हैं। इसका कारण यह है कि इन्होंने अपने जीवन में हर रिश्ते के साथ न्याय किया। इन्होंने कभी भी बड़ा होने का अभिमान नहीं दिखाया। इन्होंने छोटे भाइयों को सम्मान दिया और सदैव माता-पिता के आज्ञाकारी रहे। पत्नी की सुरक्षा के लिए रावण से लड़े और राजा के रूप में जनता को महत्व दिया। लेकिन जब कोई व्यक्ति अपनी मयार्दा की सीमा रेखा को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करता है तभी विवाद और क्लेश उत्पन्न होता है। वर्तमान समय में कई ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं कि बेटे ने पिता को घर से बाहर निकाल दिया। बेटे ने बाप की संपत्ति हड़प ली। ससुर का अपनी बहू से अनैतिक संबंध है और भाई ने बहन का अपमान किया। जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो मयार्दा का हनन होता है। संसार में रिश्तों की डोर का निर्माण मयार्दा की रक्षा के लिए किया गया था। यही सामाजिक जीवन का आधार भी है।

जब कोई मायार्दा का उल्लंघन करता है तब सामाजिक व्यवस्था बिगडने लगती है और मयार्दा का उल्लंघन करने वाला और मयार्दा का हनन होने वाला दोनों ही अपमानित होता है। जब कोई किसी के साथ अमर्यादित व्यवहार करता है तो उसे भी अमार्यादित व्यवहार ही प्राप्त होता है। उदाहरण के तौर पर गंगा नदी जब तक अपनी सीमा में प्रवाहित होती है उसे माता का दर्जा प्राप्त होता है, लोग इसकी आरती उतारते हैं। लेकिन जब अपनी मयार्दा का उल्लंघन करके तटों को तोड़कर आगे बढ़ती है तब गंगा आदरणीय नहीं रह जाती है। नाले के जल में मिलकर गंगाजल गंदाजल कहलाने लगता है।

विजय गाथा, भारत के शौर्य की अमर कहानी

योगेश कुमार गोयल

विजय दिवस भारत में हर साल 16 दिसंबर को मनाया जाता है। 3 दिसंबर, 1971 को भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की शुरूआत हुई, जो 13 दिनों तक चला और 16 दिसंबर को आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया। इस युद्ध के बाद पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सशस्त्र बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल ए.ए. खान नियाजी ने 93,000 सैनिकों के साथ भारतीय सेना और बांग्लादेश के मुक्ति बहानी के सामने आत्मसमर्पण किया। भारतीय सेना की इसी कामयाबी को प्रतिवर्ष विजय दिवास के रूप में मनाया था। हर साल 16 दिसंबर को विजय दिवस या विक्टरी डे के रूप में मनाया जाता है। इस दिन राष्ट्र के उन सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जाती है। जिन्होंने इस युद्ध में अपने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। एक तथ्य यह भी है कि इस दिन बांग्लादेश का जन्म हुआ था, इसलिए, बांग्लादेश हर साल 16 दिसंबर को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है। सन 1971 से पहले, बांग्लादेश पाकिस्तान का एक हिस्सा था, जिसे पूर्वी पाकिस्तान कहा जाता था।

तब पूर्वी पाकिस्तान के लोगों को पाकिस्तानी सेना मारपीट, शोषण करती है , औरतों के साथ बलात्कार करती और वहां के लोगों की निर्मम हत्या करती थी, भारत ने पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सेना के द्वारा लोगों के उत्पीड़न का विरोध किया और पूर्वी पाकिस्तान के लोगों का समर्थन किया। उस समय पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी जनरल अयूब खान के खिलाफ भारी असंतोष था। 3 दिसंबर को पाकिस्तान ने 11 भारतीय हवाई क्षेत्रों पर हमला कर दिया था। जिसके जवाब में भारत ने भी मुहतोड जवाब दिया। भारत सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान के लोगों को बचाने के लिए भारतीय सेना को पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध का आदेश दे दिया। पाकिस्तान के साथ इस युद्ध में भारत के 1400 से अधिक सैनिक शहीद हो गए। इस युद्ध को भारतीय सैनिकों ने पूरी बहादुरी के साथ लड़ा,इस युद्ध में पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ। जिसके बाद यह युद्ध सिर्फ मात्र 13 दिनों में ही समाप्त हो गया था।

अप्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में अमेरिका और सोवियत संघ दोनों महाशक्तियां शामिल हुई थीं। ये सब देखते हुए 14 दिसंबर को भारतीय सेना ने ढाका में पाकिस्तान के गवर्नर के घर पर हमला किया। उस समय पाकिस्तान के सभी बड़े अधिकारी मीटिंग करने के लिए इकट्ठा हुए थे। इस हमले से पकिस्तान हिल गया और जनरल नियाजी ने युद्ध विराम का प्रस्ताव भेज दिया। परिणामस्वरूप 16 दिसंबर, 1971 को दोपहर के तकरीबन 2:30 बजे सरेंडर की प्रक्रिया शुरू हुई और उस समय लगभग 93,000 पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण किया था। इस प्रकार 16 दिसंबर, 1971 को बांग्लादेश का एक नए राष्ट्र के रूप में जन्म हुआ और पूर्वी पाकिस्तान, पाकिस्तान से आजाद हो गया। ये युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक युद्ध माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 1971 के युद्ध में तकरीबन 3,900 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे और लगभग 9,851 घायल हुए थे।

भारत और पाकिस्तान के बीच 1971 में हुए इस युद्ध ने एक नए मुल्क बांग्लादेश को जन्म दिया था और पाकिस्तान के इतिहास में करारी हार के तौर पर 16 दिसंबर का दिन दर्ज हो गया। यूं तो यह जंग पाकिस्तान के पश्चिम और पूर्वी हिस्से के बीच चल रही थी, लेकिन पाक की ओर से इस दौरान भारत पर भी हवाई हमले किए गए। इसके जवाब में 3 दिसंबर, 1971 से भारत भी इस युद्ध में कूदा और पश्चिम से लेकर पूर्व तक में पाक सेना पर जोरदार हमला बोला। तीनों सेनाएं इस युद्ध में सक्रिय हुईं और अंत में 16 दिसंबर, 1971 को 93 हजार पाक सैनिकों के सरेंडर के साथ जंग को जीता। यही नहीं, पड़ोस में एक नए मुल्क बांग्लादेश का भी उदय हुआ। इस युद्ध की शुरूआत से पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने राष्ट्र के नाम संदेश जारी किया था।

आधी रात को देश के नाम संबोधन करते हुए इंदिरा गांधी ने कहा- मैं आप सभी से ऐसे वक्त में बात कर रही हूं, अभी कुछ घंटों पहले ही 5:30 बजे शाम को पाकिस्तान ने अचानक हमारे एयरफील्ड्स पर हमले किए हैं। उनकी थल सेना सुलेमानखी, खेमकरण, पुंछ और अन्य सेक्टर्स में गोलीबारी कर रही है, हम पूरी दुनिया से इस मसले के शांतिपूर्ण समाधान की अपील कर रहे हैं। हमारी यही मांग है कि उन लोगों के अधिकार दिए जाएं, जो सिर्फ लोकतंत्र में अपनी भागीदारी चाहते हैं। आज बांग्लादेश में चल रहा युद्ध भारत का युद्ध बन गया है। यह युद्ध मुझ पर और देश के लोगों पर थोपा गया है। हमारे पास देश को युद्ध में ले जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। हमारे बहादुर अफसर और सैनिक चौकियों पर हैं और देश की रक्षा को आगे बढ़ रहे हैं। पूरे देश में आपातकाल घोषित किया जाता है। हम किसी भी चीज के लिए तैयार हैं। हमें लंबे समय तक संघर्ष और त्याग के लिए तैयार रहना होगा। हम शांति पसंद लोग हैं, लेकिन हम जानते हैं कि जब तक आप अपनी स्वतंत्रता, लोकतंत्र और जिंदगी की सुरक्षा नहीं कर पाते, तब तक शांति नहीं रह सकती। इसलिए आज हमें न सिर्फ अपनी अखंडता के लिए लड़ना है बल्कि अपने देश के मूलभूत आदर्शों को मजबूती देने के लिए लड़ना है।

(लेखक पत्रकार हैं)

तिरुवनंतपुरम की जीत और टूटता राजनीतिक मिथक

अजीत लाड़

केरल के स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों को केवल एक राज्य-विशेष की राजनीतिक घटना मानना एक गंभीर भूल होगी। तिरुवनंतपुरम नगर निगम में 45 वर्षों बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की जीत और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ का अपेक्षाकृत सशक्त प्रदर्शन दरअसल उस राष्ट्रीय राजनीतिक प्रवृत्ति का विस्तार है, जो बीते एक दशक से भारतीय लोकतंत्र को नए सिरे से गढ़ रही है। ये नतीजे न सिर्फ 2026 के केरल विधानसभा चुनावों की भूमिका हैं, बल्कि 2029 के आम चुनावों की आहट भी अपने भीतर समेटे हुए हैं। राष्ट्रीय परिदृश्य में देखें तो बीजेपी का केरल में उभार एक रणनीतिक प्रतीक है। अब तक दक्षिण भारत, विशेषकर केरल, बीजेपी के लिए एक कठिन भूगोल रहा है। मजबूत वामपंथी परंपरा, सामाजिक सुधार आंदोलनों की विरासत और संघीय चेतना ने केरल को राष्ट्रीय दक्षिणपंथी राजनीति से काफी हद तक अलग रखा। ऐसे में तिरुवनंतपुरम जैसी राजधानी में जीत बीजेपी के लिए केवल एक सीट नहीं, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक बढ़त है। यह संदेश दिल्ली से लेकर नागपुर तक स्पष्ट है, कि बीजेपी अब 'अजेय किले' माने जाने वाले राज्यों में भी धीरे-धीरे सेंध लगाने की स्थिति में है।

इतना ही नहीं यह परिघटना उस राष्ट्रीय रणनीति से भी मेल खाती है, जिसमें बीजेपी स्थानीय निकायों और शहरी संस्थाओं को राजनीतिक प्रयोगशाला की तरह इस्तेमाल कर रही है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बाद अब दक्षिण में भी पार्टी शहरी मध्यवर्ग, युवा पेशेवरों और आकांक्षी मतदाताओं को लक्षित कर रही है। केरल में यह रणनीति खास तौर पर 'सुशासन', 'भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन' और 'विकास बनाम वैचारिक जड़ता' जैसे नैरेटिव के जरिये आगे बढ़ती दिखती है। वहीं कांग्रेस के लिए केरल के ये नतीजे राष्ट्रीय स्तर पर दोहरी अहमियत रखते हैं। एक ओर, यह पार्टी के लिए राहत का संकेत है कि वह अभी भी कुछ राज्यों में बीजेपी-विरोधी राजनीति का केंद्र बन सकती है। दूसरी ओर, यह चेतावनी भी है कि यदि कांग्रेस अपनी वैचारिक स्पष्टता और संगठनात्मक ऊर्जा को पुनर्स्थापित नहीं करती, तो उसका स्थान बीजेपी और क्षेत्रीय दलों के बीच सिमटता जाएगा। राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस आज जिस अस्तित्वगत संकट से जूझ रही है, केरल के स्थानीय चुनाव उसके छोटे लेकिन महत्वपूर्ण उत्तर की तरह सामने आते हैं कि जीत संभव है, पर शर्तें बदल चुकी हैं। वामपंथ के लिए यह पराजय सिर्फ राज्य सरकार के खिलाफ असंतोष नहीं, बल्कि राष्ट्रीय वाम राजनीति के क्षरण का प्रतिबिंब भी है। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा के बाद केरल ही वह प्रमुख राज्य बचा है, जहाँ वामपंथ सत्ता में है। स्थानीय चुनावों में आई गिरावट यह सवाल खड़ा करती है कि क्या वाम राजनीति अपने पारंपरिक सामाजिक आधार मजदूर, किसान, निम्न-मध्य वर्ग से धीरे-धीरे दूर होती जा रही है? राष्ट्रीय स्तर पर वाम दल पहले ही हाशिये पर हैं, और केरल में कमजोर होते संकेत उनके लिए एक गहरी वैचारिक चुनौती हैं। सामाजिक दृष्टि से भी केरल के नतीजे राष्ट्रीय बहस को प्रभावित करते हैं। लंबे समय तक केरल को 'राजनीतिक परिपक्वता' और 'सांप्रदायिक सौहार्द' का मॉडल माना गया। लेकिन हाल के वर्षों में यहाँ भी पहचान, धर्म और सांस्कृतिक राजनीति के प्रश्न उभरने लगे हैं। बीजेपी की शहरी सफलता और कांग्रेस-वाम की प्रतिक्रिया यह दशार्ती है कि केरल अब पूरी तरह उस राष्ट्रीय राजनीतिक धारा से अछूता नहीं रहा, जहाँ भावनात्मक मुद्दे, प्रतीकात्मक राजनीति और सोशल मीडिया के जरिये जनमत निर्माण निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

इन चुनावों का एक अहम राष्ट्रीय संकेत यह भी है कि स्थानीय चुनाव अब 'छोटे चुनाव' नहीं रहे। जिस तरह दिल्ली, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में स्थानीय निकाय और विधानसभा चुनावों को राष्ट्रीय राजनीति से जोड़कर देखा गया, उसी तरह केरल के नतीजे भी केंद्र की राजनीति पर असर डालते हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद बने नए राजनीतिक संतुलन में बीजेपी, कांग्रेस और क्षेत्रीय शक्तियाँ तीनों के लिए केरल एक रणनीतिक प्रयोगशाला बन सकता है। 2026 का केरल विधानसभा चुनाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह यह तय करेगा कि क्या बीजेपी दक्षिण में एक स्थायी राजनीतिक खिलाड़ी बन पाएगी, क्या कांग्रेस राष्ट्रीय विकल्प के रूप में अपनी विश्वसनीयता लौटाएगी, और

क्या वामपंथ अपने वैचारिक और संगठनात्मक संकट से उबर पाएगा। इन तीनों सवालों के उत्तर का असर केवल केरल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह राष्ट्रीय राजनीति की दिशा को भी प्रभावित करेगा। अंततः, केरल के स्थानीय चुनाव यह स्पष्ट करते हैं कि भारतीय लोकतंत्र एक संक्रमण काल से गुजर रहा है। पुराने राजनीतिक मिथक टूट रहे हैं, नए प्रयोग हो रहे हैं और मतदाता पहले से कहीं अधिक सजग, असंतुष्ट और विकल्पों की तलाश में है। केरल का यह 'सेमीफाइनल' दरअसल पूरे देश के लिए एक संकेत है कि अब राजनीति में कोई भी क्षेत्र, कोई भी विचारधारा स्थायी सुरक्षित क्षेत्र नहीं रही। यही इस चुनाव का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संदेश है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में बढ़ी हिंसा- उम्मीदवार पर गोलीबारी, चुनाव आयोग ने शीर्ष अधिकारियों के लिए मांगी अतिरिक्त सुरक्षा

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में एक बार फिर बिगड़ती कानून-व्यवस्था के बीच चुनाव आयोग ने अपने शीर्ष अधिकारियों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है। चुनाव आयोग ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) को पत्र लिखकर मुख्य चुनाव आयुक्त, अन्य आयुक्तों और वरिष्ठ अधिकारियों के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने को कहा है। चुनाव आयोग ने सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे पुलिस सुरक्षा और अतिरिक्त एस्कॉर्ट वाहन की मांग की है। यह मांग ऐसे समय की गई है, जब आगामी संसदीय चुनाव के एक उम्मीदवार और पिछले साल के जुलाई आंदोलन के प्रमुख नेता शरीफ उस्मान हादी को ढाका में गोली मार दी गई। वह अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत कर रहे थे, तभी उन पर नजदीक से हमला हुआ। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। चुनाव आयोग ने बताया कि चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद दो जिलों, लक्ष्मीपुर और पिरोजपुर, में उसके दफ्तरों पर भी हमले हुए हैं। इसके चलते आयोग ने देशभर में अपने क्षेत्रीय, जिला और उप-जिला कार्यालयों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है, क्योंकि वहां चुनाव से जुड़े अहम दस्तावेज और सामग्री रखी जानी है। अंतरिम सरकार ने हालात को देखते हुए देशभर में ऑपरेशन डेविल हंट-2 शुरू किया है। साथ ही चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को आत्मरक्षा के लिए हथियार लाइसेंस देने का भी आश्वासन दिया गया है। वहीं विपक्षी दल बीएनपी ने सभी उम्मीदवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और हमले के दोषियों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

यूक्रेन युद्ध में सबसे खतरनाक काम करते थे उत्तर कोरियाई सैनिक, तानाशाह किम जोंग ने खुद कबूला

प्योंगयांग, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में उत्तर कोरियाई सैनिकों की मौजूदगी ने एक वक्त पर जमकर सुर्खियां बटोरीं थीं। अब इन सैनिकों के बारे में उनके तानाशाह ने खुलासा किया है कि इन्होंने कैसे युद्ध क्षेत्र का सबसे मुश्किल काम किया। तानाशाह किम के मुताबिक इस साल की शुरुआत में कुर्स्क क्षेत्र में भेजे गए उत्तर कोरियाई सैनिकों ने यहां पर बारूदी सुरंगे हटाने का काम किया, जिसकी वजह से हजारों रूसी सैनिकों की जान बची। शनिवार को उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया पर प्रसारित एक कार्यक्रम में किम जोंग उन ने रूस से वापस लौटे अपने इन सैनिकों की सराहना की। तानाशाह ने कहा, अगस्त से शुरू हुई 120 दिनों की तैनाती के दौरान हमारे सैनिकों ने अभूतपूर्व साहस दिखाया। चाहे अधिकारी हों या सैनिक सभी ने लगभग हर दिन अपनी कल्पना से परे मानसिक और शारीरिक दबावों पर काबू पाते हुए सामूहिक वीरता का परिचय दिया। बारूदी सुरंगे हटाने के काम के दौरान यह लोग अपने शहरों और गांवों को पत्र भी भेजते थे। किम ने आगे कहा, तीन महीने से भी कम समय में हमारे सैनिकों ने एक बड़े खतरनाक क्षेत्र को रूसी सेना के लिए पूरी तरह से सुरक्षित कर दिया। इसमें हमारे जिन भी सैनिकों की जान गई है। उनकी बहादुरी को हमेशा के लिए अमर बनाने के उद्देश्य से राज्य उनको सम्मान प्रदान करेगा। सरकारी मीडिया की तरफ से जारी की गई फोटोस में किम साफ तौर पर वापस आए सैनिकों को गले लगाते हुए देखे जा सकते हैं। इनमें से कुछ सैनिक घायल और व्हील चेयर पर भी दिखाई दिए। इससे पहले, उत्तर कोरिया शुरुआत से ही पुतिन की मदद के लिए कुर्स्क क्षेत्र में सैनिक भेज रहा है। पश्चिमी खुफिया एजेंसियों के मुताबिक इस युद्ध में उत्तर कोरिया ने हजारों सैनिक भेजे हैं। इसके बदले में रूस उसकी वित्तीय सहायता, सैन्य तकनीक, खाद्य सामग्री और ऊर्जा आपूर्ति में मदद कर रहा है। इसकी वजह से अपने परमाणु कार्यक्रम के कारण अलग-थलग पड़े इस देश को अपने अभियान चलाने में मदद मिल रही है।

इमरान खान को डराने के लिए..., जनरल फैज हमीद की सजा पर सिंध के नेता ने कहा

इस्लामाबाद , एजेंसी। सिंध राष्ट्रवादी नेता शफी बुरफत ने पाकिस्तानी सैन्य अदालत द्वारा जनरल फैज हमीद को 14 साल की सजा सुनाए जाने की तीखी आलोचना की है। उन्होंने इसे सैन्य ड्रामा करार देते हुए आरोप लगाया कि यह सजा सैन्य प्रभाव को बढ़ाने और राजनीतिक दबाव बनाने का एक षड्यंत्र है, खासकर इमरान खान जैसे नेताओं को डराने के लिए। बुरफत ने कहा कि इस सजा का उद्देश्य असल में जवाबदेही नहीं, बल्कि राजनीति में सैन्य दखल को और मजबूत करना है। उन्होंने 1971 के बंगाल नरसंहार और बलात्कार के मामले का जिक्र करते हुए पाकिस्तान की सेना पर आरोप लगाया कि उसने अपने उच्च अधिकारियों को कभी जवाबदेह नहीं ठहराया। बुरफत ने पाकिस्तान की सैन्य संलिप्तता के मामलों का जिक्र करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो की न्यायिक हत्या, बेनजीर भुट्टो की हत्या और पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री लियाकत अली खान की हत्या में सेना की भूमिका पर सवाल उठाया। साथ ही, बुरफत ने पाकिस्तान के सैन्य शासन को सिंध, बलूचिस्तान और अफगानिस्तान में संघर्ष के लिए जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना वैश्विक शक्तियों के लिए एक हथियार बन चुकी है।

अमेरिका में फिर गोलीबारी; ब्राउन यूनिवर्सिटी में चलीं गोलियां, दो की मौत आठ घायल

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में एक बार फिर गोलीबारी की घटना हुई है। रोड आइलैंड स्थित ब्राउन यूनिवर्सिटी में हुई गोलीबारी में कम से कम दो लोग मारे गए और आठ लोग घायल हुए हैं। जांच अधिकारियों ने अभी घटना के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी है। पुलिस ने बताया कि रविवार को ब्राउन यूनिवर्सिटी के इलाके में कई लोगों को गोली मारी गई। इसके बाद आइवी लीग स्कूल ने शूटर अलर्ट जारी किया और छात्रों और स्टाफ से सुरक्षित जगह शरण लेने की अपील की। पुलिस ने तुरंत पीड़ितों की संख्या, उनकी हालत या गोलीबारी की परिस्थितियों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

यूनिवर्सिटी ने इमरजेंसी नोटिफिकेशन सिस्टम से जारी किया अलर्ट : ब्राउन यूनिवर्सिटी के इमरजेंसी नोटिफिकेशन सिस्टम के जरिए जारी अलर्ट के अनुसार, यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने शुरू में छात्रों और स्टाफ को बताया कि एक संदिग्ध हिरासत में है, लेकिन बाद में कहा कि ऐसा नहीं है और पुलिस अभी भी संदिग्धों की तलाश कर रही है।

राष्ट्रपति ट्रंप को भी दी गई है गोलीबारी की जानकारी : स्थानीय नेता जॉन गोंसाल्वेस ने कहा, हमें अभी भी इस बारे में जानकारी मिल रही है कि क्या हो रहा है। हमने लोगों से अपने खिड़की-दरवाजे बंद रखने और सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने घटना पर दुख जताया। रिपोर्ट के अनुसार,

गोलीबारी बारस और हॉली बिल्डिंग के पास हुई, जो एक सात मंजिला कॉम्प्लेक्स है, जिसमें यूनिवर्सिटी का स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग और भौतिकी विभाग है। यूनिवर्सिटी की वेबसाइट के अनुसार, बिल्डिंग में 100 से ज़्यादा लैबोरेटरी, दर्जनों क्लासरूम और ऑफिस हैं। जब गोलीबारी हुई, तब बिल्डिंग में इंजीनियरिंग डिजाइन की परीक्षा चल रही थी। राष्ट्रपति ट्रंप को भी गोलीबारी की घटना के बारे में जानकारी दी गई है।

काले कपड़ों में आया और बरसाने लगा गोलियां: अमेरिकी यूनिवर्सिटी गोलीकांड पर क्या बोले अधिकारी: प्रोविडेंस शहर , एजेंसी। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने कहा, जो सोचा भी नहीं जा सकता था, वही हो गया है। प्रोविडेंस के मेयर ब्रेट स्माइली ने कहा कि लोगों को अपने घरों या इमारतों के अंदर ही रहने को कहा गया है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर के पास रहने वाले लोगों से खतरा खत्म होने तक बाहर न निकलने और आदेश खत्म होने तक घरों में ही रहने की अपील की। स्माइली ने कहा, हम संदिग्ध को पकड़ने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। केमिकल इंजीनियरिंग की छात्रा एमा फेरारो इंजीनियरिंग बिल्डिंग की लॉबी में फाइनल प्रोजेक्ट पर काम कर रही थीं, तभी उन्होंने पूर्व दिशा से तेज आवाजें सुनीं। जब उन्हें समझ आया कि ये गोलियों की आवाज है, तो वह दरवाजे की ओर भागीं और पास की एक इमारत में चली गईं, जहां उन्होंने कुछ घंटों तक इंतजार किया।

अस्पताल की प्रवक्ता केली ब्रेनन के मुताबिक, गोली लगने से घायल आठ लोगों को रोड आइलैंड अस्पताल ले जाया गया। इनमें से छह की हालत गंभीर है, लेकिन स्थिर है। एक अन्य की हालत गंभीर है और एक की हालत स्थिर बताई गई है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने शुरू में छात्रों और कर्मचारियों से कहा था कि एक संदिग्ध हिरासत में है, लेकिन बाद में बताया कि ऐसा नहीं है। मेयर ने कहा कि शुरू में एक व्यक्ति को इस गतिविधि में शामिल समझकर रोका गया था, लेकिन बाद में यह स्पष्ट हुआ कि उसका इस घटना से कोई संबंध नहीं है।

गोलीबारी के करीब पांच घंटे बाद टैक्टिकल गियर पहने पुलिसकर्मियों ने परिसर की इमारतों से कुछ छात्रों को बाहर निकालकर एक फिटनेस केंद्र में पहुंचाया। यह गोलीबारी बारस और हॉली इमारत में हुई, जो सात मंजिला परिसर है और जिसमें इंजीनियरिंग स्कूल और भौतिकी विभाग स्थित हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाइट के अनुसार, इस इमारत में 100 से ज्यादा प्रयोगशालाएं, दर्जनों कक्षाएं और कार्यालय हैं।

75 साल की दोस्ती को नया आयाम, भारतीय राजदूत बोले- रिश्तों को नए स्तर पर ले जाने का अवसर

अम्मान , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 और 16 दिसंबर को जॉर्डन के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे। यह उनका जॉर्डन का पहला द्विपक्षीय दौरा होगा। इस दौरे को भारत और जॉर्डन के बीच रिश्तों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। ऐसे में पीएम मोदी के इस दौरे को लेकर जॉर्डन में भारत के राजदूत मनीष चौहान ने कहा है कि यह यात्रा दोनों देशों की दोस्ती को और मजबूत करने के साथ-साथ रिश्तों को एक नए स्तर पर ले जाने का अवसर है।उन्होंने कहा कि यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब भारत और जॉर्डन अपने राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। चौहान ने कहा कि यह मौका ऐतिहासिक है और इस वर्ष की सबसे यादगार घटनाओं में से एक होगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 15 दिसंबर को जॉर्डन पहुंचेंगे और 16 दिसंबर तक वहां रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह इस सदी में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला ऐसा दौरा है।

2018 में जॉर्डन गए थे पीएम मोदी, लेकिन : बता दें कि इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 2018 में जॉर्डन सिर्फ ट्रांजिट (रुकते हुए) आए थे। यह यात्रा जॉर्डन के राजा किंग अब्दुल्ला द्वितीय के निमंत्रण पर हो रही है। राजदूत ने कहा कि यह दौरा भारत-जॉर्डन संबंधों और पूरे क्षेत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है। इस दौरान दोनों देश न

सिर्फ अब तक की मजबूत दोस्ती पर चर्चा करेंगे, बल्कि भविष्य में सहयोग को और आगे बढ़ाने पर भी बात करेंगे।

जॉर्डन में पीएम मोदी की कार्यक्रम : राजदूत चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहेगा। वे जॉर्डन के राजा किंग अब्दुल्ला द्वितीय से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में राजनीतिक, आर्थिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक सहयोग सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। दोनों नेता क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपने विचार साझा करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी और किंग अब्दुल्ला द्वितीय भारत-जॉर्डन बिजनेस इवेंट को भी संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री जॉर्डन में रहने वाले भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और जॉर्डन के रिश्ते हमेशा से दोस्ताना और मजबूत रहे हैं। दोनों देशों के नेताओं के बीच अच्छा तालमेल है। आर्थिक क्षेत्र में भी दोनों देशों के संबंध मजबूत हैं।

अमेरिकी यूनिवर्सिटी में इमिग्रेशन रेड्स से बचने के लिए छात्रों ने निकाला जुगाड़

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के लोयोला यूनिवर्सिटी शिकागो के छात्र ट्रंप सरकार की इमिग्रेशन रेड्स को डॉक्यूमेंट करने में जुटे हैं। दरअसल ये छात्र एक गूगल मैप अपडेट कर रहे हैं, जहां हर लाल पिन कैंपस और आसपास के इलाकों में फेडरल इमिग्रेशन एजेंट्स की साइटिंग को दिखाता है। इससे लोगों को रियल टाइम में पता चल जाता है कि कैंपस के किस इलाके में इमीग्रेशन की रेड चल रही है या फिर सरकारी एजेंट मौजूद हैं।

ट्रंप की प्रेसिडेंसी में नया रोल : ये युवा छात्र और पत्रकार इमिग्रेशन रेड्स को डॉक्यूमेंट कर रहे हैं। उनका मकसद ऑनलाइन अफवाहों को फैक्ट्स से चुनौती देना और लोगों को उन इलाकों का मैप देना है जहां एजेंट्स ज्यादा सक्रिय हैं, ताकि हाल के महीनों में फैली दहशत कम हो। ट्रंप के व्हाइट हाउस लौटने के बाद उनकी सरकार ने बड़े इमिग्रेंट समुदायों वाले शहरों में आक्रामक स्वीप्स शुरू किए, ताकि गैरकानूनी रहने वालों को डिपोर्ट करने का कैंपेन वादा पूरा हो सके। शिकागो इसमें प्रमुख शहर है। डीएचएस का कहना है कि वे हिंसक अपराधियों को टारगेट कर रहे हैं, और अब तक 4,300 से ज्यादा गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। एक स्पोक्सपर्सन ने कहा, हमारे प्रयास जारी हैं, हम शिकागो को नहीं छोड़ रहे। ऑपरेशन से पहले ही विश्वविद्यालय कैंपस पर अफवाहें फैल चुकी थीं। महीनों पहले यूएस सेंसस ब्यूरो का एक व्यक्ति डॉर्म में आया, तो झूठी खबर फैली कि आईसीई आ गया। छात्रों ने द फीनिक्स स्टाफ से पूछा कि क्या ये सच है। लोयोला यूनिवर्सिटी लंबे समय से गैरकानूनी इमिग्रेंट्स को जगह देती रही है, खासकर डाका छात्रों को जो बच्चे के रूप में अमेरिका आए। ये यूनिवर्सिटी का सोशल जस्टिस मिशन है। अक्टूबर की शुरुआत में दो छात्रों ने गूगल मैप शुरू किया। इसमें रियल टाइम में हर पिन फोटो, टाइमस्टैम्प्ड वीडियो या कई गवाहों से वेरिफाई की जाती है। ये पिन्स लोगों को बताते हैं कि एजेंट्स कहां इकट्ठा हो रहे हैं। मसलन नोट्स में डिटेल्स कुछ ऐसे होते हैं, 12 अक्टूबर को वेस्ट नॉर्थ शोर एवेन्यू पर आर्म्ड एजेंट्स स्पॉट हुए, 21 अक्टूबर को नॉर्थ लिंकन एवेन्यू होम डिपो पर गिरफ्तारी हुई। डीएचएस ने इनकी पुष्टि की है।

महिला बनती है दूल्हा, पार्टी भी असली; पाकिस्तान में युवा कर रहे हैं फेक वेडिंग

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में इन दिनों फेक वेडिंग (नकली शादी) का चलन तेजी से बढ़ रहा है। यह एक ऐसा संगठित सामाजिक कार्यक्रम है जो लोगों को शादी से जुड़ी आजीवन प्रतिबद्धता या पारिवारिक दबावों के बिना शानदार जश्न मनाने और सामाजिक मेलजोल का मौका देता है। पहली नजर में, शादी का मंच आम पाकिस्तानी मेहंदी जैसा दिखता है। गेंदे के फूलों से सजा, दूल्हा-दुल्हन के बैठने की जगह चमकीले पीले रंगों से सजी हुई दिखती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दूल्हा एक महिला होती है। यह समलैंगिक विवाह नहीं, बल्कि एक फेक वेडिंग है, जो युवाओं को सामाजिक दबाव से मुक्त होकर एक शानदार रात का आनंद लेने का अवसर देती है। 2023 से यह चलन जोर पकड़ रहा है। लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ

मैनेजमेंट साइंसेज द्वारा 2023 में आयोजित एक फेक वेडिंग को राष्ट्रीय और वैश्विक मीडिया पर काफी ध्यान मिलने के बाद इस तरह के आयोजनों की लोकप्रियता बढ़ गई थी। हालांकि इस ट्रेंड की लोकप्रियता युवाओं और प्रभावशाली लोगों के बीच बढ़ी, लेकिन मीडिया कवरेज के कारण इसे ऑनलाइन काफी आलोचना और विरोध का सामना भी करना पड़ा। एलयूएमएस छात्र परिषद के पूर्व अध्यक्ष सैराम एच. मिरान ने डॉयचे वेले को बताया कि घटना के फुटेज वायरल होने के बाद विश्वविद्यालय के छात्रों को ऑनलाइन ट्रोल झेलना पड़ा। उन्होंने कहा कि मीडिया और लोग अक्सर एलयूएमएस को एक अभिजात्य विश्वविद्यालय के रूप में देखते हैं, जो वास्तविकता से कटा हुआ है जिसके कारण नकारात्मक खबरें अधिक ध्यान आकर्षित करती हैं। विश्वविद्यालय छात्रों के लिए साप्ताहिक सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करता है और माना जाता था कि फेक वेडिंग समारोह, जश्न और मौज-मस्ती के लिए एक अधिक पारंपरिक और सामाजिक रूप से स्वीकृत स्थान प्रदान करते हैं। हालांकि, आलोचना के बाद, छात्र परिषद और विश्वविद्यालय ने छात्रों की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरती। महिलाओं के लिए सुरक्षित स्थान समाज के दबाव या परिवार की निगरानी के बिना शादी के उत्सवों का आनंद लेना ही इन फेक वेडिंग कार्यक्रमों का मुख्य आकर्षण है। यह महिलाओं के लिए आकर्षण का केंद्र है। इस दौरान पारंपरिक पाकिस्तानी शादी का मेहंदी समारोह का आयोजन किया जाता है। इस दौरान मुख्य रूप से महिलाओं को मेहंदी लगाया जाता है।

दक्षिण अफ्रीका मंदिर हादसा: मृतकों की संख्या बढ़कर हुई चार, एक भारतीय भी शामिल; प्रशासन को जांच के आदेश

जोहानसबर्ग , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के डरबन के उत्तर में स्थित रेडक्लिफ इलाके में बीते शुक्रवार दोपहर को अहोबिलम टेंपल ऑफ प्रोटेक्शन के निर्माण स्थल पर हुए भीषण हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। वहीं अभी भी कई लोगों के मलबे में फंसे होने की संभावना जताई जा रही है। मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, राहत और बचाव कर्मी पिछले दो दिनों से मलबे में दबे एक पांचवें शव को निकालने की कोशिश कर रहे थे।

हालांकि, शनिवार दोपहर खराब मौसम के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन को

रोकना पड़ा। तेज बारिश और खराब हालात के चलते मलबे में काम करना बेहद मुश्किल हो गया। बता दें कि पहले मीडिया रिपोर्टस में बताया गया था कि इस हादसे में दो लोगों की मौत हुई है और कई लोग मलबे में दबे हैं। ऐसे में जब ताजा अपडेट सामने आया तब इस बात की पुष्टि की गई कि इस हादसे में मरने वालों की संख्या अब बढ़कर चार हो गई है। मृतकों में एक भारतीय भी शामिल बता दें कि मंदिर एक ढलान वाली पहाड़ी पर बनाया जा रहा था और इसमें चट्टानों का इस्तेमाल किया गया था, जिन्हें भारत से लाया गया और निर्माण स्थल पर खुदाई की गई थी। मंदिर का डिजाइन गुफा जैसा था और इसे भगवान नरसिंहदेव की दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक के लिए बनाया जा रहा था। हादसे में मारे गए लोगों में से एक 52 वर्षीय भारतीय मूल के विक्की जैरज पांडे हैं, जो मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारी सदस्य और निर्माण परियोजना के प्रबंधक थे। पांडे पिछले दो साल से मंदिर निर्माण में सक्रिय रूप से शामिल थे। मामले में रिएक्शन यूनिट साउथ अफ्रीका के प्रवक्ता प्रेम बलराम ने जानकारी देते हुए बताया कि फिलहाल यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि मलबे के नीचे और लोग फंसे हुए हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि हालात सामान्य होने के बाद फिर से तलाशी अभियान शुरू किया जाएगा। प्रशासन को मिले घटना के जांच के आदेश गौरतलब है कि इस हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है। प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि निर्माण के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन किया गया था या नहीं। स्थानीय लोग और मृतकों के परिजन गहरे सदमे में हैं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

नवाज शरीफ की 2017 में विदाई एक साजिश थी, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ बोले- इसके पीछे फैज हमीद का हाथ

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को बड़ा दावा करते हुए कहा कि पूर्व आईएसआई प्रमुख फैज हमीद ही वर्ष 2017 में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को सत्ता से हटाने के जिम्मेदार थे। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया एक सुनियोजित साजिश थी, जिसे फैज हमीद की निगरानी में अंजाम दिया गया। सियालकोट में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ख्वाजा आसिफ ने कहा कि फैज हमीद को 15 महीने तक चले सैन्य ट्रायल के बाद 14 साल की जेल की सजा सुनाई गई है और उनके खिलाफ अभी और भी मामलों में कानूनी कार्रवाई शुरू होनी बाकी है। एक स्थानीय अखबार के मुताबिक, रक्षा मंत्री ने कहा कि फैज हमीद के कृत्यों से देश को भारी नुकसान हुआ। आसिफ ने कहा कि नवाज शरीफ को सत्ता से हटाना, उनके खिलाफ मामले दर्ज करना, आरोप लगाना और फिर इमरान खान को सत्ता में लाना, यह सब प्रोजेक्ट इमरान का हिस्सा था, जिसे फैज हमीद चला रहे थे। उनके अनुसार, इस पूरे प्रोजेक्ट की निगरानी फैज हमीद कर रहे थे। नवाज शरीफ, जो पाकिस्तान के तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं, जुलाई 2017 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पद से हटाए गए थे। यह उनके राजनीतिक करियर के लिए बड़ा झटका था। नवाज शरीफ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख रहे हैं। फिलहाल उनके छोटे भाई शहबाज शरीफ देश के प्रधानमंत्री हैं और बेटी मरियम नवाज पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री हैं।

फैज हमीद और इमरान खान ने देश को नुकसान पहुंचाया : रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि फैज हमीद और उनके साझेदार इमरान खान ने मिलकर देश को गंभीर नुकसान पहुंचाया। इमरान खान अगस्त 2023 से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं और उन पर कई मामले चल रहे हैं। आसिफ ने कहा कि 2018 के आम चुनावों में इमरान खान की जीत भी प्रोजेक्ट इमरान का हिस्सा थी। उन्होंने आरोप लगाया कि फैज हमीद उस सरकार का सबसे अहम चेहरा थे और उन्होंने राजनीतिक विरोधियों को धमकाने और जेल भेजने में अहम भूमिका निभाई। उनके अनुसार, इस पूरे दौर का सबसे बड़ा लाभ इमरान खान को मिला। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि फैज हमीद के कार्यकाल में संसद तक को निर्देश दिए जाते थे और देश के भविष्य से जुड़े फैसले प्रधानमंत्री आवास के पिछवाड़े में किए जाते थे। उन्होंने दावा किया कि फैज हमीद के तबादले के बाद उनका यह प्रोजेक्ट धीरे-धीरे बिखरने लगा।

भारत के साथ सैन्य टकराव पर ख्वाजा आसिफ का दावा रक्षा मंत्री ने एक विवादास्पद बयान में कहा कि अगर फैज-इमरान गठजोड़ अब भी मौजूद होता, तो शायद भारत के साथ सैन्य टकराव की जरूरत भी नहीं पड़ती, क्योंकि वे देश को भीतर से ही तबाह कर देते। गौरतलब है कि भारत ने 7 मई को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर चलाया था।

सीरिया हमले में तीन अमेरिकियों की मौत, भड़के ट्रंप; कहा- आईएसआईएस से लेंगे बदला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीरिया में हुए एक हमले के बाद कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि अमेरिका इसका जवाब देगा। इस हमले में दो अमेरिकी सैनिकों और एक अमेरिकी नागरिक की मौत हो गई है। अमेरिका का आरोप है कि इस हमले के पीछे आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस/आईएसआईएस) का हाथ है।

यह आईएसआईएस का हमला- ट्रंप : शनिवार को व्हाइट हाउस से निकलते समय पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, यह आईएसआईएस का हमला है और हम इसका बदला जरूर लेंगे। वह इस दौरान आर्मी-नेवी फुटबॉल मैच देखने के लिए बाल्टीमोर रवाना हो रहे थे। ट्रंप ने हमले में मारे गए तीनों अमेरिकियों के प्रति गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इस हमले में घायल हुए तीन अन्य अमेरिकी फिलहाल ठीक हैं और उनकी हालत में सुधार हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, हम सीरिया में तीन महान अमेरिकी देशभक्तों, दो सैनिकों और एक नागरिक की मौत पर शोक व्यक्त करते हैं। साथ ही, हम तीन घायल सैनिकों के लिए प्रार्थना करते हैं, जिनकी हालत में अभी-अभी पुष्टि हुई है कि वे ठीक हैं। यह सीरिया के एक बेहद खतरनाक हिस्से में, जो पूरी तरह से उनके नियंत्रण में नहीं है, अमेरिका और सीरिया पर आईएसआईएस का हमला था। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शारा इस हमले से बेहद नाराज और परेशान हैं। इसका कड़ा जवाब दिया जाएगा।

अमेरिकियों पर कहां और कैसे हुआ हमला : जानकारी के मुताबिक, सीरिया के मध्य हिस्से में शनिवार को हुए एक हमले में दो अमेरिकी सैनिकों और

एक अमेरिकी नागरिक की मौत हो गई। इस हमले में तीन अन्य लोग घायल भी हुए हैं। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने यह जानकारी दी। सेंटकॉम के अनुसार, यह हमला इस्लामिक स्टेट (आईएस) संगठन के एक अकेले हमलावर ने घात लगाकर किया। यह हमला राष्ट्रपति बशर अल-असद के सत्ता से हटने के एक साल बाद अमेरिकी बलों पर हुआ पहला घातक हमला है। यह हमला ऐतिहासिक शहर पालमायरा के पास हुआ। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी साना के मुताबिक, हमले में सीरियाई सुरक्षा बलों के दो जवान और कुछ अमेरिकी सैनिक भी घायल हुए। घायलों को हेलीकॉप्टर से इराक और जॉर्डन की सीमा के पास स्थित अल-तनफ सैन्य अड्डे पर ले जाया गया। साना ने बताया कि हमलावर को मार गिराया गया है। वहीं, ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने दावा किया कि हमलावर सीरिया की सुरक्षा बलों से जुड़ा था। अमेरिका आपको ढूंढेगा और खत्म करेगा- हेगसेथ अमेरिकी सेना ने कहा कि मृत सैनिकों की पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की जाएगी। रक्षा विभाग की नीति के अनुसार, पहले उनके परिजनों को सूचना दी जाएगी, उसके 24 घंटे बाद नाम जारी किए जाएंगे। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर कहा, अगर आप दुनिया में कहीं भी अमेरिकियों को निशाना बनाते हैं, तो अमेरिका आपको ढूंढेगा और खत्म करेगा। अमेरिका के सैकड़ों सैनिक पूर्वी सीरिया में तैनात हैं, जो आईएस के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गठबंधन का हिस्सा हैं। पिछले महीने सीरिया भी औपचारिक रूप से इस गठबंधन में शामिल हुआ था। हालांकि आईएस को 2019 में सीरिया में सैन्य रूप से हरा दिया गया था, लेकिन उसके स्लीपर सेल अब भी हमले करते रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, सीरिया और इराक में अब भी आईएस के 5,000 से 7,000 लड़ाके मौजूद हैं। इससे पहले 2019 में मंनबिज शहर में हुए एक धमाके में दो अमेरिकी सैनिक और दो अमेरिकी नागरिक मारे गए थे।

भारत ने रचा इतिहास, धर्मशाला टी20आई जीतकर ऑस्ट्रेलिया का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई (एजेंसी)। धर्मशाला में खेले गए तीसरे टी20आई मैच में भारत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारत ने न सिर्फ पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल की, बल्कि टी20ढ्ढ इतिहास में एक बड़ा कीर्तिमान भी अपने नाम कर लिया।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड तोड़ा

इस जीत के साथ भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा टी20आई जीत दर्ज करने के मामले में ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों के नाम 19-19 जीत थीं, लेकिन अब भारत ने 20वीं जीत के साथ बढ़त बना ली है। दक्षिण अफ्रीका की मजबूत ङ्क20 टीम के खिलाफ यह उपलब्धि भारत की निरंतरता और मजबूत व्हाइट-बॉल सेटअप को दर्शाती है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा टी20आई जीत

भारत - 34 मैचों में 20 जीत
ऑस्ट्रेलिया - 28 मैचों में 19 जीत
वेस्टइंडीज - 26 मैचों में 14 जीत
पाकिस्तान - 27 मैचों में 14 जीत
इंग्लैंड - 28 मैचों में 13 जीत

लक्ष्य का आसानी से पीछा

भारतीय गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन ने दक्षिण अफ्रीका को 118 रन के मामूली स्कोर पर रोक दिया। इसके बाद भारतीय बल्लेबाजों ने लक्ष्य का आसानी से पीछा करते हुए 15.5 ओवर में ही सात विकेट रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया, जिससे मैच में भारत का दबदबा साफ नजर आया।

ऑलराउंड प्रदर्शन से सीरीज में बढ़त

तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के संयुक्त प्रयास से दक्षिण अफ्रीका को सीम और उछाल मददगार परिस्थितियों में 117 रन पर समेट दिया गया। इसके बाद भारत ने 25 गेंद शेष रहते 118 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए, जबकि हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे को एक-एक सफलता मिली। सात ओवर के भीतर 30/4

पर सिमटने के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम मैच में वापसी नहीं कर सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को अभिषेक शर्मा ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने पावरप्ले में 18 गेंदों पर 35 रन बनाए। शुभमन गिल (28) और तिलक वर्मा (नाबाद 25) को रन बनाने में थोड़ी दिक्कत हुई, जबकि सूर्यकुमार यादव 12 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि अभिषेक की शुरुआती आक्रामक बल्लेबाजी के चलते लक्ष्य हमेशा भारत की पहुंच में रहा और अंत में शिवम दुबे (नाबाद 10) ने शानदार शॉट्स लगाकर मैच खत्म किया।

चौथे टी20 में शुभमन की जगह मिल सकता है सैमसन को अवसर

-टीम में हो सकते हैं तीन बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रही जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज के चौथे मुकाबले में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को अवसर मिल सकता है। गुरुवार को लखनऊ में होने वाले इस मैच में भारतीय टीम प्रबंधन अंतिम ग्यारह में तीन बदलाव कर सकती है। इसके तहत ही उपकप्तान शुभमन गिल की जगह पर पारी की शुरुआत के लिए सैमसन को अवसर मिल सकता है। सैमसन अच्छे प्रदर्शन के बाद भी अक्टूबर 2025 के बाद से ही टीम से बाहर हैं, ऐसे में उन्हें जगह देने की मांग उठ रही है। वहीं शुभमन पिछले कुछ समय से रन नहीं बना पा रहे। पहले टी20 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 4 रन बनाये थे जबकि दूसरे मैच में वह शून्य पर ही आउट को गये थे। तीसरे टी20 में उन्होंने 28 गेंद में 28 रन बनाए पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। ऐसे में अंतिम ग्यारह में उन्हें जगह मिलना कठिन है।.

सैमसन के अलावा स्पिनर अक्षर पटेल और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी इस मैच में शामिल किया जा सकता है। तीसरे टी20 में इन दोनो को ही आराम दिया गया था। अब देखना अक्षर और बुमराह के शामिल होने से किसे बाहर किया जाता है। तीसरे टी20 में इनकी जगह पर हर्षित राणा और कुलदीप यादव को मौका मिला था और दोनों ने दो-दो विकेट लेकर अपने को साबित किया था।

वहीं अगर टीम प्रबंधन कुलदीप और हर्षित को बनाये रखता है तो अर्शदीप सिंह ओर वरुण चक्रवर्ती को बाहर किया जा सकता है। हर्षित और कुलदीप की तरह अर्शदीप और वरुण ने भी तीसरे टी20 में दो-दो विकेट लिए थे। चौथे टी20 में भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी बड़ी पारी खेलनी होगी। वह पिछले काफी समय से रन नहीं बना पाये हैं।

संभावित अंतिम ग्यारह: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह।

खराब फार्म की बात से सूर्यकुमार ने इंकार किया, बोले जब जरुरत होगी रन आयेंगे

धर्मशाला । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव एक बार फिर रन बनाने में असफल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 में भी वह 12 रन ही बना पाये। वहीं जब उनसे फार्म में नहीं होने को लेकर पूछा गया तो सूर्यकुमार का जवाब सुनकर सभी हैरान हो गये। सूर्या ने लय में नहीं होने की बात को खारिज करते हुए कहा कि जब जरुरत होगी तो आ जाएंगे। कप्तान के तौर पर उनके इस बयान की आलोचना भी हो रही है। सभी प्रशंसकों का मानना है कि टीम जीत रही है, इसी लिए अधिक सवाल नहीं उठ रहे हैं पर कप्तान को आगामी विश्वकप को देखते हुए रन बनाने ही होंगे। विश्वकप से पहले भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टी20 और उसके बाद नए साल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है।

सूर्यकुमार ने कहा, 'मैंने नेट में अच्छी बल्लेबाजी की है, इसलिए जब रन बनाने की जरूरत होगी, तब बनेंगे।' सूर्यकुमार ने इस सीरीज के तीन मैचों में 12, पांच और 12 रन बनाये हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि मैं फॉर्म में नहीं हूं हालांकि रन नहीं बना पाया हूं।' उन्होंने कहा कि टीम ने पिछले मैच में मिली हार से सबक लेकर अच्छी वापसी की है।

बीसीसीआई ने जारी कर दिया फरमान !, रोहित-विराट को भी इस घरेलू टूर्नामेंट में खेलने होंगे दो मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने भारतीय टीम के मौजूदा खिलाड़ियों के लिए 24 दिसंबर से शुरू हो रही विजय हजारे ट्रॉफी में कम से कम दो वनडे मैच खेलना अनिवार्य कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी टी20 मैच (19 दिसंबर) और न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे (11 जनवरी , 2026) के बीच तीन सप्ताह से अधिक का अंतर है और बोर्ड चाहता है कि सभी सीनियर खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलें।

अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने सभी को यह निर्देश दे दिया है। इस साल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला में हार के बाद यह सिफारिश की गई थी। इसमें हर प्रारूप में घरेलू क्रिकेट पर अधिक जोर देने के लिए कहा गया था। विराट कोहली और रोहित शर्मा टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता की सूचना दे चुके हैं। वहीं सीनियर

खिलाड़ी शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव को अपनी अपनी टीमों के लिये कम से कम दो मैच खेलने के लिए कहा जा सकता है।

बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, 'विजय हजारे ट्रॉफी के 6 दौर 24 दिसंबर से खेले जाने हैं। यह खिलाड़ियों और उनके प्रदेश संघों पर निर्भर करता है कि वे कौन से दो दौर खेलना चाहते हैं। किसी को छूट तभी दी जाएगी जब उत्कृष्टता केंद्र से किसी को अनफिट घोषित किया जाता है लेकिन अधिकारियों का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के बाद चोट से उबरने के लिए काफी समय होगा।'

इस निर्देश से यह धारणा भी टूटेगी कि चयन समिति और मुख्य कोच गौतम गंभीर सिर्फ कोहली और रोहित का उदाहरण देना चाहते हैं जिन्हें किसी को कुछ साबित नहीं करना है। इस बीच जसप्रीत बुमराह को धर्मशाला में तीसरे टी20 से पहले निजी कारणों से घर लौटना पड़ा। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार उनके करीबी परिजन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्र ने कहा, 'सब कुछ ठीक रहा तो वह चौथे या पांचवें मैच के लिये लौट सकते हैं।'

जीएस दिल्ली एसेस ने पहली बार जीता टेनिस प्रीमियर लीग का खिताब

अहमदाबाद ।GS दिल्ली एसेस ने यहां टेनिस प्रीमियर लीग (TPL) के फाइनल में यश मुंबई ईगल्स पर 51-36 से शानदार जीत के साथ पहली बार इस खिताब पर कब्जा किया। बेल्जियम की खिलाड़ी सोफिया कोस्टौलास ने रविवार देर रात एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए रिया भाटिया को 18-7 से हराकर महिला एकल में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। कोस्टौलास और जीवन नेदुनचेझियान की मिश्रित युगल जोड़ी ने दमदार रिटर्न और आत्मविश्वास से भरे नेट प्ले के साथ भाटिया और निकी पुनाचा की जोड़ी को 16-9 से हराकर दिल्ली एसेस की बढ़त को और मजबूत कर दिया ।पुरुष एकल में मुंबई ईगल्स के विश्व नंबर 57 दामिर जुम्हूर ने बिली हैरिस को 16-9 से हराया कुछ हद तक टीम की वापसी कराई लेकिन जीएस दिल्ली एसेस के पास अब भी 11 अंकों की बढ़त थी। पुरुष युगल हैरिस और नेदुनचेझियान ने संयमित और नियंत्रित प्रदर्शन करते हुए निकी पुनाचा और जुम्हूर को 8-4 से हराकर दिल्ली की जीत पर मुहर लगा दी।

पंड्या ने बनाया नया रिकार्ड : 100 विकेट और 1000 रन बनाने वाले पहले तेज गेंदबाज बने

धर्मशाला । भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। पंड्या ने इस मैच में एक विकेट लेते ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए। अब इस प्रारुप में 1,000 से ज्यादा रन और 100 विकेट लेने वाले वह पहले तेज गेंदबाज बन गये हैं। उनके अलावा केवल स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन, मोहम्मद नबी और सिकंदर रजा ने ही ये कारनामा किया है। पंड्या इस प्रारुप में 100 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय तेज गेंदबाज हैं। उनसे पहले अर्शदीप सिंह ने 109 और जसप्रीत बुमराह ने इस प्रारुप में 101 विकेट लिए हैं। वहीं वरुण चक्रवर्ती ने भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में दो विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि हासिल की। अब वरुण सबसे कम मुकाबलों में 50 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। उन्होंने 32 मुकाबलों में ये आंकड़ा हासिल किया है, जबकि कुलदीप यादव ने 30 मुकाबलों में ये रिकार्ड बनाया है।

भारत ने पहली बार जीता स्क्वाश विश्व कप का खिताब, पीएम नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने स्क्वाश विश्व कप के फाइनल में रविवार को हांगकांग को 3-0 से हराकर पहली बार इस खिताब को जीत इतिहास रच दिया। भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला एशियाई देश बन गया। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 में कांस्य पदक जीतना था।

यह खिताबी जीत भारतीय स्क्वाश के लिए निश्चित रूप से अच्छी खबर है क्योंकि यह खेल लॉस एंजिल्स 2028 में ओलंपिक में अपना पदार्पण करने जा रहा है। मिश्रित टीम स्पर्धा में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता प्राप्त भारत ने बिना कोई मैच हारे खिताब अपने नाम किया। ग्रुप चरण में स्विट्जरलैंड और ब्राजील को समान 4-0 के अंतर से हराने के बाद भारत ने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में क्रमशः दक्षिण अफ्रीका और दो बार के चैंपियन मिस्र को 3-0 से हराया।

विश्व रैंकिंग में 79वें स्थान पर काबिज जोशना चिनप्पा ने 37वीं रैंकिंग की खिलाड़ी ली का यी पर 3-1 की उलटफेर भरी जीत से फाइनल में भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह (विश्व रैंकिंग में 29) ने 42वें स्थान पर काबिज एलेक्स लाउ को 3-0 से जबकि 17 वर्षीय अनाहत सिंह ने विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर काबिज टोमाटो हो को इसी अंतर से हराकर भारत के लिए खिताब पक्का कर दिया।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इतिहास रचने और अपना पहला स्क्वैश वर्ल्ड कप जीतने के लिए भारतीय स्क्वैश टीम को बधाई दी। पीएम मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलवन सेंथिल कुमार और अनाहत सिंह की लगन और दृढ़ संकल्प की तारीफ की और कहा कि टीम ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। पीएम मोदी ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि उनकी जीत देश को प्रेरित करेगी और युवाओं के बीच स्क्वैश की लोकप्रियता बढ़ाएगी।

पीएम मोदी ने X पर कहा, 'स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 में इतिहास रचने और अपना पहला वर्ल्ड कप खिताब जीतने के लिए भारतीय स्क्वैश टीम को बधाई! जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलवन सेंथिल कुमार और अनाहत सिंह ने जबरदस्त लगन और दृढ़ संकल्प दिखाया है। उनकी सफलता ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। यह जीत हमारे युवाओं के बीच स्क्वैश की लोकप्रियता को भी बढ़ाएगी।'

श्रीलंका का पूर्व क्रिकेटर हुआ गिरफ्तार, भ्रष्टाचार के लगे आरोप

कोलंबो । श्रीलंका के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर और विश्व कप विजेता कप्तान अर्जुन रणतुंगा के बड़े भाई दम्मिका को देश के भ्रष्टाचार रोधी आयोग ने गिरफ्तार किया था लेकिन सोमवार को उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। भ्रष्टाचार जांच आयोग (CIABOC) ने बताया कि 63 वर्षीय दम्मिका को 2017 में सरकारी संस्था सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (CPC) द्वारा कच्चे तेल की खरीद में गलत निविदा प्रक्रिया के लिए गिरफ्तार किया गया था। वह उस समय इसके अध्यक्ष थे। सीआईएबीओसी ने कहा कि दम्मिका के अनुचित प्रभाव के कारण सीपीसी को 80 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का नुकसान हुआ था। CIABOC ने कोलंबो मजिस्ट्रेट कोर्ट को बताया कि दम्मिका के छोटे भाई अर्जुन को इस मामले में दूसरे आरोपी के रूप में नामित किया गया है। अर्जुन को गिरफ्तार नहीं किया जा सका क्योंकि वे विदेश में हैं। अर्जुन पेट्रोलियम उद्योग मंत्री थे जब दम्मिका सीपीसी के प्रमुख थे। दम्मिका ने 1989-90 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सलामी बल्लेबाज के रूप में दो टेस्ट मैच खेले थे। बाद में वह देश में इस खेल के शासी निकाय श्रीलंका क्रिकेट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) बने।

वर्तमान ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण अब तक का सबसे बेहतर : ब्रेट ली

सिडनी ।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा है कि कप्तान पैट कमिंट की आगुवाई में वर्तमान गेंदबाजी आक्रमण सबसे बेहतर है। इस तेज गेंदबाज का कहना है कि एक समय जहां उनके साथ ग्लेन मैक्ग्रा, शेन वॉर्न और जेसन गिलेस्पी जैसे घातक तेज गेंदबाज थे। वहीं आज के समय में उससे भी बेहतर संयोजन कमिंस , मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लॉयन जैसे गेंदबाजों के पास है। साथ ही कहा कि ये अब तक तक सबसे बेहतर गेंदबाजी आक्रमण माना जा सकता है। इसने सभी पिछले आक्रमणों को पीछे छोड़ दिया है। गौरतलब है कि अबमक कमिंस, स्टार्क, लायन और हेजलवुड ने कुल मिलाकर 389 टेस्ट मैचों में ही 1,586 विकेट निकाल लिय हैं। इन चार में से तीन गेंदबाजों ने 300 विकेट लिये हैं, जबकि हेजलवुड ने 295 विकेट लिए हैं और माना जा रहा है कि वापसी पर हेजलवुड भी 300 का आंकड़ा हासिल कर लेंगे। कमिंस स्टार्क, हेजलवुड और लायन ने एकसाथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया के लिए अभी तक 35 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से ऑस्ट्रेलियाई टीम को 22 में जीत मिली है जबकि नौ में टीम हारी है। वहीं चार मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। एक साथ अंतिम ग्यारह में रहते हुए इन चारों ने कुल मिलकर रिकॉर्ड 567 विकेट लिए हैं। वहीं साल 2000 के दशक में ली ने मैकग्रा, वॉर्न और गिलेस्पी के साथ मिलकर कुल 1842 विकेट लिए थे। इन चारों ने मिलकर 16 टेस्ट खेले थे जिसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम 10 में जीती थी पर इसके बाद भी ली का मानना है वर्तमान समूह ने बेहतर तरीके से उनकी जगह ले ली है। ली ने कहा, मुझे लगता है कि कमिंस और उनके साथी अब तक के सबसे अच्छे गेंदबाज हैं हालांकि किसी भी दौर की दूसरे से तुलना नहीं की जा सकती है पर मैं उन्हें हमसे ऊपर रखूंगा। अगर आप सिर्फ स्टैट्स देखें, तो सभी ने 250 से ज्यादा टेस्ट विकेट लिए हैं, और ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

युवा खिलाड़ियों से दुर्व्यवहार कर रहा था ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, अनिश्चित काल के लिए लगा प्रतिबंध

न्यू साउथ वेल्स (ऑस्ट्रेलिया) । युवा खिलाड़ियों के साथ कथित दुर्व्यवहार की एक गंभीर शिकायत के बाद न्यू साउथ वेल्स (NSW) के एक क्रिकेटर पर किसी भी स्तर पर खेलने पर अनिश्चित काल के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड में छपी खबर के अनुसार, NSW और एक टी20 टीम के लिए खेल चुके एक खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन बोर्ड की एक आपात बैठक के बाद रद्द कर दिया गया है। यह संवेदनशील मामला है और पुलिस इसकी जांच कर रही है, लेकिन अभी तक कोई आरोप नहीं लगाया गया है। क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के एक प्रवक्ता ने एक बयान जारी कर बताया कि खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया है। बयान में कहा गया है, 'एक गंभीर शिकायत के बारे में पता चलने के बाद क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स बोर्ड ने तुरंत प्रभाव से एक खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन स्थायी रूप से रद्द करने का फैसला किया है। नतीजतन, उसे क्रिकेट से जुड़े सभी मामलों में शामिल होने से अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया गया है। जब तक जांच चल रही है, हम इस मामले पर और टिप्पणी नहीं कर सकते।' सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट में बताया कि यह शिकायत खिलाड़ी के सिडनी ग्रेड क्लब से आई थी और यह हाल ही में की गई थी।

लक्ष्मी गुप्ता 73 किलोग्राम भार वर्ग में प्रथम

वाराणसी ।बालिका सब जूनियर खेल विभाग एवं उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के समन्वय से 25 से 27 दिसंबर 2025 तक मऊ जिला खेल कार्यालय में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें वाराणसी मंडल की टीम भाग लेगी, जिसके लिए जनपद स्तर पर 15 दिसंबर 2025 को सुबह 9:00 से 10:00 तक वजन एवं 11:00 बजे से चयन ट्रायल किया गया। बालिकाओं का रिजल्ट इस प्रकार है। 40 किलो में प्रिया यादव43 किलो में प्रिया बिन्द 46 किलो में नेहा पाल 49 किलो मे रितिका कुमारी 53 किलो में सृष्टि यादव 57 किलो में खुशबू कुमारी 61 किलो में आराध्या यादव 65 किलो में खुशी चौहान 69 किलो में होली यादव 73 किलो में लक्ष्मी गुप्ता प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सभी बालिका पहलवान वाराणसी जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे मंडल स्तर पर चंदौली गाजीपुर जौनपुर जनपद भी भाग लेगा। मंडल स्तर पर 18 दिसंबर 2025 को सुबह 10:00 बजे से 11:00 तक वजन 12:00 से चयन ट्रायल डॉ संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम सिगरा वाराणसी में किया जाएगा।

हम आखिर हासिल क्या करना चाह रहे हैं, मेस्सी के G.O.A.T. दौरे पर बोले पूर्व ओलंपिक विजेता अभिनव बिंद्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारत के पूर्व निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के भारत दौरे के घटनाक्रम की आलोचना करते हुए कहा कि इस महान खिलाड़ी के करीब आने या उसके साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए लाखों रूपए खर्च किए जाने को लेकर वह काफी दुखी हैं। मेस्सी के तीन दिन के भारत दौरे पर काफी अराजकता देखी गई चूंकि राजनेताओं, फिल्मी हस्तियों, उद्योगपतियों और अधिकारियों में उनके साथ तस्वीर लेने को लेकर होड़ रही।

कोलकाता में तो प्रशंसकों के सब्र का बांध टूट गया जो हजारों रूपए के टिकट खरीदने के बावजूद उनकी एक झलक भी नहीं पा सके। बिंद्रा ने एक्स पर लिखा, 'जैसे-जैसे उनका हालिया भारत दौरा आगे बढ़ा, कुछ जगहों पर अफरा तफरी हुई और मुझे काफी असहज लगा। इसने मुझे रुकने और सोचने पर मजबूर किया, इस बात की सच्ची चिंता में कि हम असल में क्या हासिल करने की कोशिश कर रहे थे।'

उन्होंने कहा, 'एक पल के लिए उनके करीब जाने या तस्वीर खिंचवाने के लिए लाखों रूपए खर्च किये जा रहे हैं। यह ईमानदारी से कमाया गया लोगों का पैसा है और वे चाहे जैसे इसे खर्च करें। लेकिन मैं दुखी हूं और मुझे हैरानी हो रही है कि क्या यह संभव था कि इस ऊर्जा और निवेश का एक हिस्सा भी हमारे देश में खेलों की बुनियाद पर खर्च किया जा सकता था।'

बिंद्रा ने हालांकि स्पष्ट किया कि अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान के लिए उनके मन में अपार सम्मान है जो इस समय दुनिया के सबसे चहेते खिलाड़ियों में से हैं। उन्होंने कहा, 'लियोनेल मेस्सी उन खास खिलाड़ियों में से हैं जिनकी कहानी खेल से कहीं आगे है। शारीरिक मुश्किलों से लड़ने वाले एक बच्चे से लेकर एक महान फुटबॉलर तक के उनके सफर ने दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित किया है। मैं उनकी उस खूबी के लिए बहुत सम्मान और तारीफ करता हूं जो उनमे नजर आती है मसलन लगन, विनम्रता और महानता।'

उन्होंने कहा, 'मैं खेलों का अर्थशास्त्र समझता हूं। मैं व्यावसायिक सच्चाई, वैश्विक ब्रांडिंग और महान खिलाड़ी के आकर्षण को समझता हूं। मैं मेस्सी को किसी भी तरह से गलत नहीं मानता। उन्होंने अपने रास्ते में आने वाले हर मौके को कमाया है और महानता की तारीफ करना स्वाभाविक है।' मेस्सी के G.O.A.T. दौरे का फुटबॉल से कोई सरोकार नहीं है और उनका कार्यक्रम मुलाकातों तक सीमित है जिसमें प्रशंसकों से सीधे मुलाकात नहीं है। बिंद्रा ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम के लिए इस्तेमाल किए गए संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल हो सकता था।

बिंद्रा ने कहा, 'एक समाज के रूप में हम खेल संस्कृति का निर्माण कर रहे

हैं या दूर से व्यक्ति पूजा कर रहे हैं। खेलों में महान देश पलों के आधार पर नहीं, तंत्र के आधार पर बनते हैं। संयम के साथ। असाधारण सपने देखने वाले साधारण बच्चे में भरोसा करके।' बिंद्रा ने कहा, 'मेस्सी जैसे आइकन हमे प्रेरित करते हैं और वह प्रेरणा काफी मायने रखती है। लेकिन प्रेरणा का उद्देश्य भी होना चाहिए। दीर्घकालिन प्रतिबद्धता। विकल्प ऐसे चुनने चाहिए जिनसे हम बस आज भर के लिए रोमांचित नहीं हों बल्कि कल को भी मजबूत करें।'

'स्ट्रीट फाइटर' से हॉलीवुड में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं विद्युत जामवाल

विद्युत जामवाल फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' से हॉलीवुड में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं। अब फिल्म से उनका पहला लुक सामने आया है। अपने फर्स्ट लुक में विद्युत बाल्ड लुक में काफी दमदार नजर आ रहे हैं। उनका ये लुक रिवील होते ही सोशल मीडिया पर भी छाया हुआ है।

बोल्ड लुक में नजर आए विद्युत

लोकप्रिय वीडियो गेम पर आधारित फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में विद्युत जामवाल योगी धल्सिम की भूमिका में नजर आएंगे। अब उनका पहला लुक सामने आया है। इस लुक में विद्युत बाल्ड (गंजे) नजर आ रहे हैं। फर्स्ट लुक में विद्युत मार्शल आर्ट की एक पोजिशन में नजर आ रहे हैं। वो हाथों, पैरों, गले और कानों में अजीब से भारी आभूषण पहने हुए हैं। सिर और चेहरे पर लाल रंग से लाइनें भी बनी हुई हैं। विद्युत का फर्स्ट लुक काफी आकर्षक लग रहा है। स्ट्रीट फाइटर 16 अक्तूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

किताओ सकुराई का है निर्देशन

कैपकॉम के वीडियो गेम से प्रेरित 'स्ट्रीट फाइटर' का निर्देशन 'बैड ट्रिप' और 'आर्डवार्क' के निर्देशक किताओ सकुराई ने किया है। फिल्म में विद्युत जामवाल के अलावा नोआ सेंटिनियो केन मास्टर्स के रूप में, एंड्रयू कोजी रयू के रूप में, कैलिना लियांग चुन-ली के रूप में, रोमन रेन्स अकुमा के रूप में, डेविड डस्टमाल्चियन एम. बाइसन के रूप में, ड्ड्ड्ड्ड्ड स्टार कोडी रोड्स गाइल के रूप में, एंड्रयू शुल्ज डैन हिबिकी के रूप में, एरिक आंद्रे डॉन सौवेज के रूप में, कर्टिस 50 सेंट जैक्सन बैलरोग के रूप में और जेसन मोमोआ ब्लैंका के रूप में शामिल हैं। फिल्म में ओरविल पेक वेगा के रूप में, ओलिवियर रिचटर्स जागिफ के रूप में, हिरूकी गोटो ई. होंडा के रूप में, रायना वैलेंडिंगम जूली के रूप में, अलेक्जेंडर वोल्कानोव्स्की जो के रूप में, काइल मूनी मार्विन के रूप में और मेल जार्नसन कैमी के रूप में भी नजर आएंगे।

ऐसी है फिल्म की कहानी

1993 में आधारित यह फिल्म आगामी विश्व योद्धा टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके लिए स्ट्रीट फाइटर्स रयू और केन मास्टर्स को रहस्यमयी चुन-ली द्वारा भर्ती किया जाता है। यह लड़ाई इन लड़ाकों को उनके अतीत के बुरे अनुभवों से भी लड़ने के लिए मजबूर करती है।

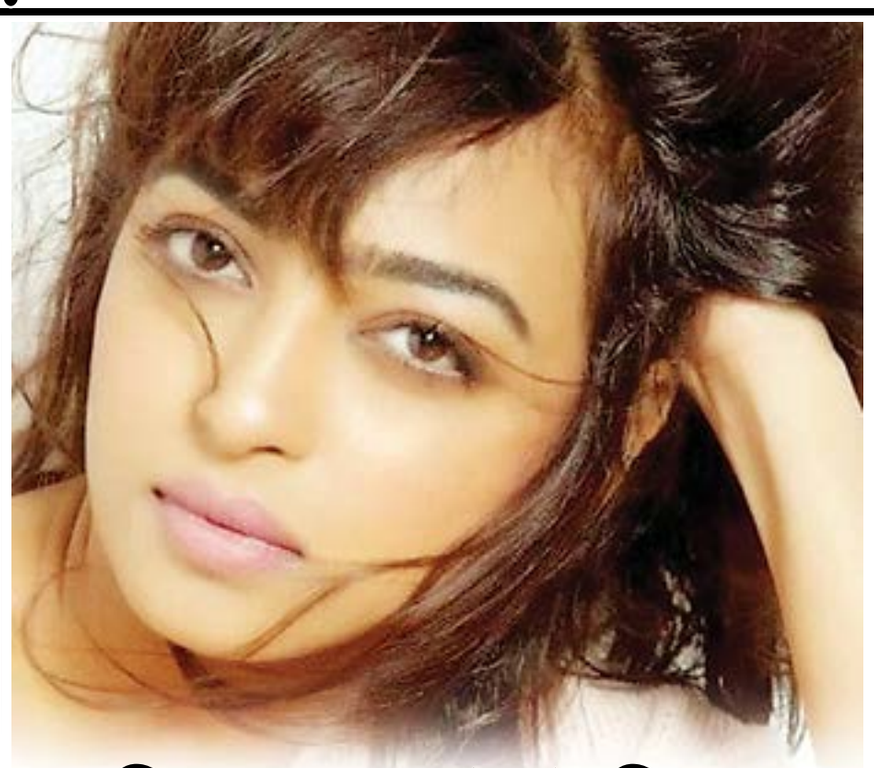

राधिका आप्टे ने फिल्म साली मोहब्बत से जुड़े अनुभव पर चर्चा की

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर राधिका आप्टे, दिव्येन्दु शर्मा और अनुराग कश्यप की फिल्म साली मोहब्बत आई है जो कि थ्रिलर-ड्रामा फिल्म है। हसीन दिलरुबा के बाद बहुत समय के बाद एक ऐसी फिल्म आई है जिसमें प्यार, धोखा, नफरत और मरने-मारने की जिद्द नजर आती है। बातचीत में राधिका ने फिल्म से जुड़े अनुभव पर चर्चा की। पेश हैं उनसे हुई बातचीत के मुख्य अंश..

टिस्का ने हमें पूरी आजादी दी

फिल्म 'साली मोहब्बत' की निर्देशक टिस्का चोपड़ा के बारे में बात करते हुए राधिका आप्टे कहती हैं, 'एक अभिनेता का निर्देशक होना बड़े ही फायदे की बात है। उसे अभिनय से जुड़ी मुश्किलें पहले से पता होती हैं तो कई चीजें समझाने की जरूरत नहीं पड़ती। उससे बातचीत भी एक अलग स्तर पर हो जाती है। टिस्का इस मामले में बेहद संतुलित हैं। उन्होंने हमें बताया कि उन्हें क्या चाहिए और फिर हमें अपने तरीके से किरदार निभाने की आजादी दी।'

दिव्येंदु बारीकियों पर काम करने वाले अभिनेता हैं

वहीं अभिनेता दिव्येंदु शर्मा के साथ काम करने के अनुभव साझा करते हुए राधिका ने कहा, 'सेट पर माहौल हमेशा हल्का रहता था और हम दोनों की आपस में अच्छी बनती थी। वह एक अच्छे अभिनेता हैं...बारीकियों पर काम करने वाले और क्रिएटिव। उन्हें काम करते देखना दिलचस्प रहता था। कई बार हम दोनों एक-दूसरे का सीन देखकर हंस देते थे। कुल मिलाकर उनके साथ काम करने का अनुभव सहज रहा।'

ऐसा किरदार पहले नहीं निभाया

वहीं जब बात हुई किरदार की तो राधिका बोलीं, इस किरदार और मेरे पहले निभाए गए किरदारों में सबसे बड़ा फर्क यह है कि यह बहुत शांत और अंतर्मुखी है। वह ज्यादा बोलती नहीं है, अपने आप में रहती है। इस तरह का स्वभाव मैंने पहले किसी किरदार में नहीं निभाया था।'

कॉमेडी एक अलग तरह की चुनौती है, सीखने के तौर पर मैंने किस-किस को प्यार करूं-2 की

हिंदी, तमिल और बंगाली फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री त्रिधा चौधरी की फिल्म किस-किस को प्यार करूं-2 शुक्रवार को रिलीज हो गई। इस बीच त्रिधा ने फिल्म से जुड़े अनुभव, अपने किरदार और कपिल शर्मा के बारे में खुलकर बात की है। अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने कहा कि मेरा मानना है कि एक्टर्स ऐसे रोल चुनते हैं जिनकी स्क्रिप्ट उन्हें ज्यादा मजबूत लगती है। मैंने आश्रम में बोल्ड और शातिर बबीता का किरदार निभाया था। उसके बाद टाइपकास्ट न किया जाए, इसके लिए हर तरह के किरदार निभाना चाहिए।
हालांकि सीरीज आश्रम के बाद मुझे बोल्ड रोल ही ऑफर हुए थे। उन्होंने ये भी कहा कि चाहे मैं किसी को मुक्का मारूं या किस करूं, दोनों ही एक्टिंग हैं।
फिल्म में अपने किरदार मीरा पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि कॉमेडी एक अलग तरह की चुनौती है। लोगों को लगता है कि यह करना आसान है, क्योंकि आपको बस दूसरों को हंसाना ही तो है, लेकिन यह बहुत मुश्किल है। ऐसे में सीन के दौरान टाइमिंग, घबराहट, इमोशन्स हर चीज को थामकर चलना पड़ता है। मैंने आज से पहले कभी कॉमेडी नहीं की, इसलिए मैं इसे अपने सीखने का तौर पर करूंगी।
फिल्म की स्क्रिप्ट को लेकर त्रिधा चौधरी ने कहा कि फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत अच्छे से लिखी गई है। जब आप फिल्म देखेंगे, तो आपको समझ आएगा कि मीरा कितनी जरूरी है। कई लोगों ने मुझसे पूछा, तुम अकेली हीरोइन नहीं हो तो यह फिल्म क्यों? लेकिन अब समय बदल गया है। हीरोइनों की गिनती से ज्यादा किरदार मायने रखता है। उन्होंने आगे बताया कि मीरा का किरदार उनकी असल जिंदगी जैसा ही है। मीरा चुलबुली है और त्रिधा भी असल जिंदगी में बहुत जॉली और चुलबुली हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं ऐसे रोल का इंतजार कर रही थी जहां मैं अपना ड्रामा और एनर्जी दिखा सकूं। मुझे अक्सर सीरियस या कंट्रोल्ड रहने के लिए कहा जाता था, लेकिन मीरा ने मुझे एक्सप्रेसिव और बेफिक्र रहने का मौका दिया। किस-किस को प्यार करूं-2 मल्टी एक्ट्रेस वाली फिल्म है, जिसमें चार अभिनेत्रियां लीड रोल में हैं। ऐसे में सेट पर बाकी हीरोइंस के साथ अपने एक्सपीरियंस पर त्रिधा ने कहा कि सेट पर थोड़ा नर्वस फील होने लगता था। रिहर्सल बहुत मुश्किल थी और मैं सबके सपोर्ट के बिना यह नहीं कर पाती।

एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया ओटीटी डेब्यू के लिए तैयार

हिंदी वेबसीरीज की शूटिंग पूरी

लोकप्रिय टीवी एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया पहले ही छोटी सरदारनी सीरियल से छा चुकी हैं। उन्हें हाल ही में पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार में देखा गया है, जिसमें वे बब्बू मान और गुरु रंधावा के साथ देखी गई थीं, लेकिन अब अभिनेत्री ओटीटी पर भी अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने हिंदी वेबसीरीज की शूटिंग भी पूरी कर ली है। अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया ने हाल ही में फिल्म के पर्दे के पीछे की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं, जिनमें संजय कपूर, शाहीर शेख, मौनी रॉय, अविनाश मिश्रा, हर्मन सिंघा और आशीमा वरदान जैसे सितारे नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वे जल्द ही एक हिंदी वेबसीरीज में नजर आने वाली हैं, जिससे उनका ओटीटी डेब्यू होने जा रहा है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने खास बातचीत में बताया कि ये प्रोजेक्ट निमृत के अब तक के सबसे प्रॉमिसिंग प्रोजेक्ट्स में से एक है। पर्दे पर उनका किरदार अपनी भावनात्मक गहराई और बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने की ताकत रखता है। शूटिंग पूरी हो चुकी है। मुंबई और पंजाब में शूटिंग हुई है। हालांकि अभी रिलीज की तारीख और फिल्म से जुड़ी जानकारियों को गुप्त रखा गया है।
निमृत कौर अहलूवालिया को आखिरी बार फिल्म शौंकी सरदार में देखा गया, जो पर्दे पर 16 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म का निर्देशन धीरज केदारनाथ रतन ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण ईशान कपूर, शाह जंडियाली और धर्मेंद्र बताओली ने किया है। शौंकी सरदार में भरपूर एक्शन और कॉमेडी देखने को मिली। दर्शकों ने भी फिल्म को मिला-जुला रेस्पॉन्स दिया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही। इसके अलावा एक्ट्रेस म्यूजिक वीडियो भी कर चुकी हैं। टीवी में अपना करियर शुरू करने से पहले साल 2018 में निमृत कौर अहलूवालिया ने फेमिना मिस मणिपुर का खिताब जीता था, जिसके बाद उन्हें पहला ब्रेक बी प्राक के म्यूजिक वीडियो मस्तानी में मिला था। ये गाना सुपरहिट साबित हुआ, लेकिन एक्ट्रेस को खास पहचान नहीं मिली, लेकिन साल 2019 में वे छोटी सरदारनी सीरियल में बतौर लीड रोल में दिखीं। एक्ट्रेस ने टीवी के कई रियलिटी शोज में भी हिस्सा लिया। वे साल 2022 से 2023 तक बिग बॉस 16 में दिखीं और उसके बाद साल 2024 में रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी 14 में नजर आईं।

चाहता था कि लोग मुझे डांसर नहीं, एक्टर समझें

अरशद वारसी ने बॉलिवुड की सेफ स्टोरीज, ओटीटी की आजादी, किरदार में उतरने के अपने तरीके और थिएटर के पुराने दिनों को ऐसे अंदाज में याद किया कि हर बात में उनका अनुभव, ह्यूमर और साफगोई चमक उठी। अरशद कहने से नहीं चूकते कि फेल होने से मत डरिए, मजा तो उसी सफर में है।

अपनी शक्ल भूलकर बस किरदार में घुसना है

अरशद वारसी ने कहा, मैंने जब सर्किट का रोल किया था, तब भी बहुत लोग टपोरी टाइप के किरदार कर चुके थे। इस वजह से हमेशा सोचना पड़ता है कि ऑडियंस को नया क्या दे सकते हैं। मेरे लिए यह जरूरी हो जाता है कि अपने काम में ताजगी और ईमानदारी लाऊं। फिल्म भागवत में भी मैंने एक पुलिसवाले की भूमिका निभाई है और इसमें मेरी ईमानदारी साफ दिखाई दे रही है। मेरा मानना है, जब आप दिल से काम करते हो तो वो खुद-ब-खुद अलग नजर आता है। अगर सिर्फ ऊपर-ऊपर से करोगे तो हर किसी का काम एक जैसा लगेगा। यहां आपको अपनी शक्ल, आदतें भूलकर बस किरदार में उतरना है। किरदार पर फोकस रखो, फिर लोग खुद-ब-खुद आपकी तरफ ध्यान देंगे।

मराठी-साउथ की फिल्में बहुत आगे निकल चुकीं

मुझे नहीं लगता कि बॉलिवुड रिस्की स्टोरीज को स्वीकार करने वाली स्थिति तक अभी पहुंचा है। मराठी और साउथ की फिल्में इस मामले में आगे निकल चुकी हैं। वो एक्सपेरिमेंट कर रहे और रिस्क भी बेहिचक ले रहे हैं। हिंदी सिनेमा अब भी बहुत सेफ कहानियों के साथ खेल रहा और कदम फूंक-फूंककर रख रहा है। दरअसल, फिल्म बनाना एक अलग तरह का जोखिम है इसलिए कहानी चुनने में भी ज्यादा सावधानी बरती जाती है। यही वजह है कि मुझे ओटीटी एक कमाल का प्लेटफॉर्म लगता है। इसने इतने सारे टैलंटेड ऐक्टरों को मौके दिए हैं, जिन्हें पहले फिल्मों में जगह ही नहीं मिल पाती थी। फिल्मों में अक्सर एक खास लुक या बॉडी लैंग्वेज देखी जाती है, जो हर कलाकार में नहीं होती। ऐसे कलाकारों के लिए ओटीटी सच में एक ब्लेसिंग है, यहां कहानी भी खुलकर कही जाती है और कलाकार को भी खुलकर जगह मिलती है।

पूरी सच्चाई से सीन को खुद में उतार लो

मैं जब कोई इमोशनल सीन करता हूं तो न मैकेनिकल मैथड अपनाता हूं और न अपनी असल ज़िंदगी की यादों को इस्तेमाल करता हूं। मेरे लिए यह सब बकवास है। लोग पूछते हैं कि मेरा तरीका क्या है, असल में मेरा कोई मैथड ही नहीं होता। आपको बस उस पल की बात को इतनी इंटेंसिटी से भीतर लेना होता है कि वह सच लगने लगे। एक्टिंग यही है कि एक छोटी सी चीज पर इतना यकीन कर लो कि वह आपको और देखने वाले को भी सच महसूस होने लगे। जिस सीन में जो लिखा है, उसे पूरी रूह के साथ अपने अंदर उतार लो, इमोशन अपने-आप बाहर आ जाते हैं।

सफलता के अलावा असफलता भी भर-भरकर देखी

मैंने सफलता के अलावा असफलता भी भर-भरकर देखी। इंसान अगर सिर्फ सक्सेस देखे तो जिंदगी का मजा क्या है। जिंदगी में थोड़ी तकलीफ होनी चाहिए। मुझे फेल होने से जरा भी फर्क नहीं पड़ता है।

लोग मेरी पहचान मेरे अभिनय से करें, ना कि सिर्फ मेरे डांस से

अरशद ने कहा, डांसिंग मेरा पैशन है। शुरुआत में जब आया था तो मैंने एक बात कही थी, जो लोगों को बहुत पसंद आई। मैंने कहा था कि मैं नहीं चाहता कि लोग मुझे ऐसे देखें कि ये डांसर है, जो ऐक्टिंग करने की कोशिश कर रहा है। मैं चाहता था कि लोग यह समझें कि ये एक्टर है, जो डांस भी कर सकता है। मैं एक्टिंग के प्रोफेशन में आ रहा था ना कि डांसिंग के प्रोफेशन में जा रहा था। यह बहुत बड़ा फर्क है। मेरी पूरी मेहनत इसी बात पर रही कि लोग मेरी पहचान मेरे अभिनय से करें, ना कि सिर्फ मेरे डांस से।

दमण जिला पंचायत उपाध्यक्षा रीना पटेल की पदभार ग्रहण करने की यादगार झलकियां

सबकी योजना सबका विकास 2026-27 के एक्शन प्लान को मंजूरी देने के लिए भेंसलोर ग्राम पंचायत में हुई ग्रामसभा

■ दमण जिला पंचायत प्रमुख धरम पटेल, भेंसलोर ग्राम पंचायत सरपंच सविता पटेल,जिला पंचायत सदस्य नयना पटेल, बीडीओ मिहिर जोशी, पंचायत सदस्यों, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं ग्रामजनों की रही उपस्थिति

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 15 दिसंबर। ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्लान सबकी योजना सबका विकास 2026-27 के एक्शन प्लान को मंजूरी देने के लिए भेंसलोर ग्राम पंचायत में ग्रामसभा का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर दमण जिला पंचायत प्रमुख धरम पटेल, भेंसरोल ग्राम पंचायत सरपंच सविता पटेल, जिला पंचायत सदस्य नयना पटेल, बीडीओ मिहिर जोशी, ग्राम पंचायत सदस्य भरत पटेल, पंचायत सदस्यों, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं ग्रामजनों की उपस्थिति रही। इस ग्रामसभा के दौरान ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्लान सबकी योजना सबका विकास 2026-27 के एक्शन प्लान को लेकर चर्चा-विचारणा की गई। इस अवसर पर दमण प्रशासन के विभिन्न विभागों से आये हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान ग्रामीणों ने भी अपने विचार रखे।

दीव की महाराणा प्रताप ग्राम पंचायत में सबकी योजना सबका साथ जीपीडीपी 2026-27 के तहत हुई ग्रामसभा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव15 दिसंबर। दीव की महाराणा प्रताप ग्राम पंचायत में सबकी योजना सबका साथ जीपीडीपी 2026-27 के तहत ग्रामसभा का आयोजन किया गया। इस ग्रामसभा में जीपीडीपी 2026-27 के एक्शन प्लान, अत्योदय योजना के तहत प्राप्त रैंकिंग परिणाम, डेटा प्रस्तुति और सत्यापन, वर्ष के दौरान ग्राम पंचायत की आय और व्यय, ग्राम पंचायत की आगामी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही दीव के विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा लोगों को उपलब्ध सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। जिसमें स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और इसकी योजनाएं, बैंकों में लोगों के लिए उपलब्ध योजनाएं, टोरेंट पावर के कर्मचारियों ने सोलर को लेकर योजना के बारे में जानकारी दी। इस ग्रामसभा में उपस्थित ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएं बताईं। जिसमें खिलाड़ियों की सुविधा के लिए मैदान, जन्म प्रमाण पत्र, मछुआरों के लिए योजना का लाभ, शराब की दुकान को दूसरी जगह शिफ्ट करना, बच्चों के लिए बगीचा बनाना, ड्रेजिंग, नाम परिवर्तन, अन्य व्यवस्थाएं, मछली बाजार की सफाई, जेटी, सड़क की मरम्मत, पुस्तकालय बनाना, श्मशान में लकड़ी आदि शामिल हैं। अस्पताल, आयुष्मान कार्ड और ग्राम पंचायत से संबंधित कई समस्याएं बताई। इन सभी समस्याओं को नोट कर लिया गया है और आश्वासन दिया गया है कि इन सभी समस्याओं का जल्द ही समाधान किया जाएगा। इस अवसर पर महाराणा प्रताप ग्राम पंचायत की सरपंच मीनाक्षी जीवन, मामलतदार धर्मेश दमणिया, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता कोटिया, उपसरपंच, महाराणा प्रताप ग्राम पंचायत के सदस्यों सहित की उपस्थिति रही। इस ग्रामसभा के दौरान आयुष शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई, जैसे बी.पी, शुगर आदि की जांच की गई।

वडोदरा में आयोजित इंटरनेशनल ओपन फिडे रैपिड रेटिंग चेस टूर्नामेंट में दमण के बच्चों का शानदार प्रदर्शन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 15 दिसंबर। निहार सेवा फाउंडेशन द्वारा पारुल यूनिवर्सिटी वडोदरा में 14 दिसंबर को प्रथम इंटरनेशनल ओपन फिडे रैपिड रेटिंग चेस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। इस चेस टूर्नामेंट के दौरान ओपन, अंडर-16 एवं छोटे बच्चों के लिए विभिन्न कैटेगरी में प्रतियोगिता आयोजित हुई थी। जिसमें नकद, ट्रॉफी एवं मेडल सहित कुल 150 से ज्यादा पुरस्कार प्रदान किए गए। दमण से टैक्टिकल चेस अकादमी के चेस कोच सुशांत तिवारी एवं प्रशांत तिवारी के नेतृत्व में कांति बिश्वास, आर्यन सिंह, पवन नंदन, मोनित चौहाण एवं माही भीमराव नांगरे ने हिस्सा लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिसमें कांति बिश्वास को नगद पुरस्कार एवं ट्रॉफी से नवाजा गया। चेस कोच प्रशांत तिवारी ने ओपन कैटेगरी में हिस्सा लेकर 9 में से 6.5 पॉइंट स्कोर करके शानदार प्रदर्शन किया। इसी कड़ी में माही भीमराव नांगरे ने 2 रेटेड खिलाड़ी को हराकर अपना इंटरनेशनल रेटिंग प्राप्त किया। बच्चों के शानदार प्रदर्शन पर सभी को बधाई दी गई। चेस टूर्नामेंट के आयोजक निहार सेवा फाउंडेशन के चेयरमैन शैलेष रावल और मौलिक रावल तथा अन्य आमंत्रित अतिथियों ने विभिन्न कैटेगरी के विजेताओं को नकद, ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि दमण के टैक्टिकल चेस अकादमी के बच्चे विभिन्न चेस टूर्नामेंट में हिस्सा लेकर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

दीव में आयोजित होने वाले खेलों इंडिया बिच गेम्स के लिए खिलाडियों के चयन हेतु होगी विभिन्न प्रतियोगिताएं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 15 दिसंबर। पिछले साल की तरह इस साल भी दादरा नगर हवेली और दमण-दीव खेल विभाग एवं युवा मामलों तथा खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 5 से 11 जनवरी 2026 तक घोघला बीच दीव में खेलो इंडिया बीच गेम्स का आयोजन किया जायेगा। जिसमें 19 दिसंबर को महिलाओं के लिए और 20 दिसंबर को पुरुषों के लिए बीच वॉलीबॉल, बीच कबड्डी, बीच सॉकर, टग ऑफ़ वॉर और सी स्विमिंग जैसे गेम्स शामिल किए गए हैं। जो खिलाड़ी इस खेल में रुचि रखते हैं वे अपना और अपनी टीम का नाम 18 दिसंबर तक पद्मभूषण स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स दीव में रजिस्टर करा दें। दीव डिस्ट्रिक्ट लेवल पर नंबर पाने वाले खिलाड़ी भाई-बहनें 19 दिसंबर को यूटी लेवल पर हिस्सा लेने के लिए दमण जाएंगे और यूटी लिस्ट में नंबर पाने वाले खिलाड़ी जनवरी 2026 में दीव के घोघला बीच पर होने वाले खेलो इंडिया बीच गेम्स में हिस्सा लेंगे। बीच वॉलीबॉल में जीतने वाली टीम (भाई-बहन) ही चुनी जाएगी और बाकी गेम्स के लिए खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस के आधार पर सिलेक्शन किया जाएगा, जिसका हर खिलाड़ी को ध्यान रखना चाहिए। ज़्यादा जानकारी के लिए दीव डिस्ट्रिक्ट के असिस्टेंट फिजिकल एजुकेशन ऑफिसर (नानजी जेठवा 9898382855 एवं 7878144655), कंप्यूटर ऑपरेटर (परेश सोलंकी 9737773030) और ग्राउंड मैन (मितेश कापडिया 9879312812) का संपर्क करें।

आदिवासी बेटी ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर गांव और समाज को किया गौरवान्वित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 15 दिसंबर। दादरा नगर हवेली के अथोला गांव की आदिवासी बेटी डॉ. डिम्पल सुमन पारधी ने गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद से माइक्रोबायोलॉजी विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है और वे अपने गांव की पहली पीएचडी धारक बनी हैं। उनका शोध कार्य बैक्टीरियल साइक्लोडेक्स्ट्रिन ग्लूकानोट्रांसफरेज़ के उत्पादन, शुद्धिकरण एवं उपयोगों पर केंद्रित रहा है, जो माइक्रोबायोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देता है। डॉ. पारधी ने समीक्षित वैज्ञानिक पत्रिकाओं में कई शोध लेख प्रकाशित किए हैं तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में उन्हें मान्यता प्राप्त हुई है। शैक्षणिक योग्यता के आधार पर उन्हें शोध फेलोशिप भी प्रदान की गई है। वारली आदिवासी समुदाय से आने वाली उनकी यह उपलब्धि आथोला गांव और समाज के लिए गर्व का विषय है तथा ग्रामीण पृष्ठभूमि की आदिवासी बेटियों के लिए शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रेरणास्रोत है। उनकी इस सफलता के लिए उन्हें हार्दिक

बधाई एवं उज्ज्वल और प्रभावशाली भविष्य की शुभकामनाएँ दी जाती हैं।

गुरु बोरिंगवाला ने वरकुंड कुंभार फलिया से पकडा कोबरा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 15 दिसंबर। वरकुंड के कुंभार फलिया में सांप दिखने पर गुरु बोरिंगवाला को बुलाया गया। गुरु बोरिंगवाला ने पहुंचकर अपनी सूझबूझ से सांप को पकडकर लोगों को राहत की सांस दिलाई।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)